Acc. No.

वाणी वल्लभ रसिक की

पत्र - 141

(पत्र)

॥श्रीराधावल्लभोजयति॥अथभाजव
लेभरसिककीर्त्तिघनेश्रीप्रथमरासव
र्णनं॥ पूरनससिमंडलकीकिरनौंमनि
मंडलपरछाई॥ चमकिचमकिचंदु
दिसिदिसिपुलिननिचंदचांदनीछाई
॥ अंबरपरसुंदरतारागनछातछपा

यतनोई ॥ बल्ल्भ रसिक बिलासरास
उल्लासगांससुधि ओई ॥ २ ॥ नवना
गरनटचटकिमटकेसोंमोरमुकुट
छबिधारी ॥ धारीछबिचटकीलेडुप
ेलटकनिछोरछटारी ॥ कियेप्रका
सरासमंडलपरतासकाछिनीन्यारी

॥२॥

॥ बल्लभरसिककरलियमुरलीसुरलि
यतियमनहारी ॥२॥ प्यारीपहरबा
दलीसारीचट्टेदिसलायकिनारी॥ज।
लीकीचोलीपरबंदजरीकेहियकेहा
री॥ अटकनिलटकनिलालनिकील
विहरषिश्रमभुजधारी॥ लटकिच।

लीमंडलपरबल्लभरसिकअलीबलि
हारी ॥३॥ झमकिचलीसंगबालहा।
लकरतालनलैलैगोरी ॥ लाईगतिमृ
दंगउपजाईछाईबनघनघोरी ॥ थेई
थेईतत्तनथेईथेईथेईथेईधुनिलैजो
री ॥ बल्लभरसिकबिहारीप्यारीप्या।

रीतानऊकोरी ॥ ध ॥ तानतिमोरतिमो
नतितोरतिश्रानतिजोरतिठानी ॥ ह
स्तकनेटकनककंकनकीबनकठन
कमनमोनी ॥ झनकझनकनूपुरऊ
पुरपाइलकीबजनमिठानी ॥ बल्लव
रसिकलटकबेनीकीजीकीअतिसु

षटानी ॥५॥ चकुटीनचनरचनवचन
निकीकटिकीलचनबनीहै ॥ तिय।
तनमोरमुकुटकीलटकनिमटकनि
मैंनसनीहै ॥ अचलपटमैंचंचल नि
पटबनीकीनैंनअनीहै ॥ बलनरसि
कबनीअवनीपर वृंदावनअवनी।

है॥ ६॥ अथ दिवारीकी साज॥ जोपरि
चोपर खेलतहै तूयोंपरि खेल बिचारी
॥ सारी मतहिजुगल मिलदेकुनदेकुजु
दीमतिसारी॥ अठारहछकरीतीना
कानँनिमिलितीनोइकसारी॥ बल
नरसिकजुवाजीतौजगजातिहैरैनि

दिवारी ॥ ७ ॥ धरैं चोक परै कोउ नोकती
नोके परे बुधि सारी ॥ जुग आसरे करे ।
बिननि करै दाव परे पर मारी ॥ हमजु
गबल पकरी छक छकरी मत पंजरीन
बिचारी ॥ जूवा जीति जुवा धर आये ब
ल्ह नरसिक जुवारी ॥ ८ ॥ अथ होली ।

तियकौ निपटसुहावैं ॥ पियदेषेजन्मस
फलकरलेषैफूल्योअंगनमावैं ॥ अध
रकपोलपोंछचोलीमैंराषैधरिज्यौं ना।
वैं ॥ बल्लनरसिकलालफिरमांगैंसैन।
निहाहाषावैं ॥ २१ ॥ अरजनिकरैं अजा।
बलरजनिसौंवरजनकांमनआवैं। उ

रजनतनदेषैंउर जनसोंचतुरअलील
षिजावैं ॥ और बनैंनउपायकछूतबा
औररूमालबनायलेआवैं ॥ बलेनर
सिकलेंहिनहिछोडेंहिलगोयहीकर्
वैं ॥१२॥ वाहवाहकरिनैंन मिलावैंसैन नि
योंबतरावैं ॥ तोतनपरसिरूमालमरग

जामेरे जिय हि जिवावैं ॥ नवरंगी चंगी ॥
॥७॥ लगि हिलगनि गगन नौ वधरावैं ॥ ब
ल्ल नरसिक सषी याकी सी प्रीत कहां को
उपावैं ॥ १३ ॥ बल्ल नरसिक नरेर सरंग
निलाल गुलाल उडावैं ॥ बनबेली फल
फूल तरुन लै लाल हीरंग सचावैं ॥ अ

लबेलीकेतनमनबसनिरंगअनंगर
चावैं ॥ वृंदाबनअनुरागसुपयहहोरी
८ प्रगटिषावैं ॥२४॥ अथगुलाबकुंजकी
मांऊ॥ फूलगुलाबकुंजमंजुलमेंफूले
हैंपियप्यारी ॥ फूलीचंदचांदनीताम
धिफूलीफूलतिबारी ॥ फूलनिकेत

॥८॥

कियालगिसोहैंछकियासखिलषिया।
री॥ बल्लभरमिकबदनचंदनतैंछबि
कीछुटतछटारी॥ २५॥ फूलनिपिछ।
वारीढारीआलिनजालिनबिचबारी
॥फूलनकेछज्जेतरझौंरा भौंरागुंजनन्यं
री॥ फूलनसायेबांनतनेंकलमांन

फूलसिरधारी॥ बल्लभरसिकफूलेनिस
कुहकतकलकोकिलसुकसारी॥१६॥
चमकहिचंदअमंदकिरणसोंपुलिनचं
दनीसारी॥ छपेबितानतनेंअंबरपर।
तारापतितारारी॥ फूल्योरितुरतिपता।
अतिफूल्योत्रिबिधिपवनसुखकारी॥

॥ ए ॥

बल्लनरसिकसरोवरमांनअमांननिफू
लनिकारी॥ २७॥ फूलसबीहफबी।
नीमांगलजुगलडोरियोधारी॥फूली
नामनचोलीदामनफूलकसीदीसारी
॥फूलमकेगहनेंमनगहनेंफूलनिजग
पगयोरी॥ बल्लनरसिकअतरअंबर
तरलपटफूलचदूंघारी॥ २८॥ फूलगु

लाब आबमी आली लियैं दल गुलाब
मालारी ॥ फूलीकर कर पूर दोनवैलै।
गुलाबसीसारी ॥ चौर निठार निजौर।
निटार निप्रेम जौर मैंडारी ॥ बल्ल नर।
सिकचांदनी सहचर सूर तसांचेढारी ॥
२९ ॥ अली मृदंग बजावैंगावैं तानैं ना

॥२७॥

यउतारी ॥ फूलीचहूंदिसकुंजकनातैंया
तैंछनिगुंजारी ॥ आलीकेनितहनिहा॰
रनिजहारहिदेतउतारी ॥ बल्लभरसि॰
कमुसकायरहेनिजहारहिकरतनि॰
हारी ॥२०॥ फूलीरससींवोप्यारीनिजा॰
नुजपियगरीवोधारी ॥ फूलीपियनुज॰

तिय भुजतर दै ल हिजुगध्रनकलसारी
॥ वृंदाबनबेलिनहेलिनकीफूलनपर
तसंभारी ॥ बल्लभरसिकअलीकरद
रपनजोदरसनपनवारी ॥ २॥ पियतिं
हत्रासवछकनेथकनिमिसपियत
नहारनिहारी ॥ प्यारीअद्भुतरीतजी

तथ्त बिकसि निकसि अ सवारी ॥ गहो
मोंन मंजीर धीर किंकिणी कुलाहल का
री ॥ बेहद मदन सदन धन लूटत बल्लभ
रसिक बिहारी ॥ २२ ॥ अथ जल क्रीडा
की मोज ॥ नरि गुलाब जल बिमल सरो
वर दंपति केलि मचाई ॥ श्रेणी श्रम ल

कमलवैंनी अलपंकजपोंतिडुलाई ॥
गहिगहिकलसतरंगनिचदलतडुब
नउछरनिलाई ॥ बल्लभरसिकअंग
अंगनितैंनिजनिजछबिदरसाई ॥ २३
॥ करनिचापपिचकैसीछाडैंओडैंह
लितरुडारैंसी ॥ दबिदबिकमलनि

तैनिकरैंमनुमकरंदनकीधारैंसी॥ नैंन
उरोजननजातजानिनिजनिज निजएहीं
॥१२॥ डारैंसी॥ बल्लनरसिकअलीरसडूबी।
जुगलचंदछबितारैंसी॥२४॥ लैलैचु
नकीअंतरसुनकीलुनकीपरसनि ना
वैं॥ लपटनिमैंकपटनि नजिचौंकनि

नौंकनिनैंनचलावै ॥ सरसहसीवनसी
रसहिलगीलगीमीनजिमश्रावै ॥ बल्लभ
रसिकरसनितनमनसनिनिकसनिम
नहिंनलावैं ॥ २५ ॥ ठाढेन्हायरतनचौ
कीपरसुंदरदरपनजोहैं ॥ चंदनखौरल
सीउरपरउरबसीउरबसीजौहैं ॥ गो

॥२३॥

लकपोल निमोती जोती कोती देषनमो।
हैं॥ बल्ल नरसिकप्यारी नेंदी बेंदी आडी।
सोहैं॥ २६॥ पहरिसुदेसकेसरी धोती।
मंजुल पिंजुल सोहैं॥ बल्ल नरसिक मिं।
हींडुपटाके छुटेछोर लटकौंहैं॥ माथैं
जराहाथैं चूरा धरैं तमूराकौंहैं॥ गाव।

तऋाजहोजपरढाढेमोजनरैतियसौं।
हैं॥२७॥अथबरषाकीमांज॥रंपतिचि
तहरषावतरसबरषावतबरषाऋाई॥
हरीनरीबननूमिकरीचलिइंद्रबधू।
दरसाई॥नवघनदामिनिसंग[redacted]लसै
कुलसैलषिमतिलनचाई॥बल्लनरसि

कलालबसननिबननिकसेअतिछा
बिछाई ॥ २८ ॥ घनघनस्यामसगबडु
कामिनिदामिनसीदमकीहै ॥ रंगरंग
सारीलगीकिनारीजूमिजूमिचमकी
हैं ॥ सुवरणबेलिमोलमंहगाअतिल
सलंहगाझमकीहै ॥ बच्छभरसिकना

दीसैकंचुकीसबनमकीसमकीहै ॥२९
॥लैलैनिकरीचकरीसहचरचहचरजो
रमचावैं ॥मैंनननरीतियकमलनैंनमुष
सनमुषओंनफिरावैं ॥पियगहिपकरी
डोरीटूटनमिसगोरीढिगआवैं ॥बल्ल
नरसिकसकुचपकरीपकरीचकरी

नछुटावैं ॥३०॥ नवलललनवबालसंग
मिलिरागमलारहिरागे ॥ धुरबादरतैंधु
वाछूटेमुरवाबोलनलागे ॥ रंगहिंडोरे
कीडोरीगहिझूलफूलअनुरागे ॥ बल्ल
नरसिकमचकिलवकनिरसलीनेंस्यों
मसनागे ॥३१॥ अथबरषाकेबंगलेकी

मांज ॥ दंपति महल अटा ढाढे बाटे घन
घटा सुहाई ॥ बन्यो बंगला रंग लाल म।
णि जाल छटा छ बिछाई ॥ सोहैं सूहे व
सन सहानैं तानैं आलिन गाई ॥ बल्लेन
रसिक सूहे की सूरत मनु मूरत धरि आ
ई ॥ ३२ ॥ रंग सो सनी प्यारी सारी झूलन झू

लतआवैं ॥ घूमतअधियामदछाकीबां
कीचकरीनफिरावैं ॥ लालपरीचकरी
गोरीकीडोरसोंउरझावैं ॥ बल्लनरसि
कउरजमुरजनहूंफिरउरझायरिजा
वैं ॥३३॥ नीमांलालचुरीचढायकैंमुक्ता
मालझुलावैं ॥ फैंटालालहरीहरीसिर

कीफिरकीकाढफिरावैं॥सुंदरमुंदरी
छलनछलीसुंदरनिजहाथहिलावैं॥ब
लमनरसिकरंगीलेहाथनिदैदैहाथस्लडु
वैं॥३४॥महचरनवलबधूटीबीरबहू
टीसैलैआवैं॥लेतलालकरदेतबाल
कैंलाललालमनभावैं॥डुपटाझटकि

टी

॥२७॥

ते

घमें आई तिय बगपांत दिषावैं ॥ बल्ल ना
रसिक वृंदाबन सावन स्यांम घटा हिसर
सावैं ॥३५॥ अथ सादा की मांझ ॥ जिनके
देहनेह पर पूरन जगमगात [redacted] ज
गमांही ॥ जिनके रसे तिनपरसे चिकनें
रोंमरोंम ह्वै जाही ॥ नरपसुदागलगन

डर जिनकी बातैं सुनत डराहीं ॥ बल्लभ
रसिक निसंक अंक भरि भरि तिनसौं।
लपटाहीं ॥३६॥ पंथ अंसाडे कोई पैर
नर छोअंसी लप्पावो लोक हसाये ॥ ६
स्कमहलदे अंदर नूअंसी सिर दे पैर।
चलाये ॥ हछो मंहदी मछे बंदी अ।

षीकज्जलपाये॥ छकेछबीलीछैलसे
लपरवन्नभरसिककहाये॥३७॥आ
हूपवेननिबाहकिसीदाश्रसीतिसरा
हांचल्लां॥ इस्कदिलांदेनालेनालेम
हबूबौंदीगल्लां॥ माहजुल्फछल्लेबि
चछल्लेश्रसीधरमल्लेतिमीमल्लां॥

बल्लभ रसिक सुमाल लाल पर जूमह मै
सांझलो ॥ ३८ ॥ इक तीरथ के तीरथ
के पदुचन के देवे भेवे ॥ पा उनकौं पा।
उनकर दरसत परस तमरत परेवे ॥
नैंननि नैंननि सौं मिलये हम दंपति।
संपति देवे ॥ बल्लभ रसिक मगजग।

जऊपर चढे फिरैं तैलेये ॥ ३९ ॥ जुग।
लरूप मदनैंन पियालेभरि भरि फिर।
फिरपीयें ॥ छकनछकेउछकेकौंसो
हैं भौहैं श्रमलचढीयें ॥ कुंजबिहारी।
प्यारीकेहममगजगजकसौंजीयें ॥ ब
लेभरसिक फिरैं मतवारेमुसकनि फू

लनिलीयें ॥ ४० ॥ हमतोजुगलरूपमद
मातेनातेहियकेमानें ॥ देहीनातेनेक
नमातेयातेहैंअलमानें ॥ स्यांमसनेही
हियेसुहातेनातेतिनसोंठानें ॥ बल नर
सिक फिरेंइतरातेचितरातेउमदानें ॥
४१ ॥ इस्कसहरदेअंदरनूअमी मुसके

लपंथ चलाये ॥ जाहर नरनारी होषेडे।
ओहे भेष बनाये ॥ सुहृद अली चंबेली
॥२७॥ बेली गगन नांव धराये ॥ रंग महलदी
अहलट हलबिच बल्ल नर सिकका।
हाये ॥ध२॥ इस्क दिलोदे नाल असा
डो दिल अंदर दी गल्ला ॥ ओहो सेंअं।

दरदापरदाऊपरहलांनल्लां॥ लच्छी॥
विचकोईइकरसरजोमुष्केढोवैंपल्लां॥
सज्जेरज्जेसज्जेपुज्जेबल्लभरसिकमहा
ल्लां॥ध३॥महबूबोंदेमहरविचसोई
श्रानतमासांजोवे॥दीनकुफरबदा
बोयनश्रावैश्रैसादिलजबधोवै॥मा॥

रनतीरा बेऊकरैंदी मिहरहमेसालोवे॥
बल्लनरसिकसिहरपढडारैतदहमस
हरीहोवै॥४४॥ हमतौइस्कइस्कसैं।
कीयाजुमलैहूंदरसाहीं॥ नरदरषत
बिचइस्कहींसूझा बिनाइस्ककछुनां
हीं॥ मुझतनप्रोनजानइवाइस्कोहि।

इस्क कुई पर छाही ॥ बल्लभ रसिक ना
लय हलागा त्र बहुन धोंका त्राही ॥
ध्रुप ॥ बेसक कुवा सिक स्ती होवै तदक
लुफते निहारै ॥ रसका मिस्ती कुवार।
है तौ दर दगर दनिर वारै ॥ किस्ती चा
स्स गायेरष तौ तस कुकौं लै तारै ॥ प्री

तिनसिस्तीहोवैजोपैवल्लभरसिकमजे
जसहारै ॥ध्रु॥ जेसेतीरथैं तिनहींकौं
ऊबटपंथनिकारै ॥ आडबंदबांधैंजो
तिनहींघाइलकरिकरिडारै ॥ जेकि
स्तीहिलगावैं तिनहींबेगिबोरहीमारै
॥ वल्लभरसिकमहबूबआसकपर ।

मिहर नजर जबढारै ॥ ४७ ॥ सेनी लियें
चले आसालै आडबंदन हिंडोलैं ॥ केस
र कर नफूल की बातै फिर फिर गढि।
गढि छोलैं ॥ दंपति संपति हींमौंराते।
यातैं करैं कलोलैं ॥ बल्लभ रसिक नेही
गेही समयो बनमा तेडोलैं ॥ ४८ ॥ इन

॥२३॥

नैनोंम धिमोंहनसोंहनसूरतश्रोनस।
मांनी॥धरमसरमपथश्रबसबनूले।
भूलीनेंमकहानी॥बलनरसिकको।
इकछुनाषोमैंनेंकनमनमैंश्रानी॥हि
यश्रटकीलटकीचटकीलीपागजुसु।
रंगसहानी॥ध्ए॥इकटकमोतन।

नैंन लगावै गावै तानन लगौंही ॥ हसौंन
हीं तौ मो हि हसावै क हि क हि बात ह ।
सौंही ॥ लोनी मूरत मन ललचावै मान
करौं सो यौंही ॥ बल्ल नर सिक हसकंठ
लगावै हौं जुगलौं सुलगौंही ॥ ५० ॥ ल ।
ष्मी सो धे भिन्नी अलकैं अष्मी पलक ।

व०२० बिसाडी॥ जुट्टीजुट्टी नौंहनिसौंहनिलु
॥२४॥ ट्टीमत्तअसाडी॥ रोंमरोंमतुझप्रेमजो॰
मसैंनैंमषोअसबलाडी॥ हालनिहाल
सालसंगलीयेंबल्लनरसिकतुसाडी॥
५१॥ नवकिशोरबरमोरमुकुटकील॰
टकनिमैंलटकावै॥ कुंडलहलनच॰

ननैंनिकीमटकनमैंमटकावै॥ रु
रुमालसपटमछपनकीहटकनमैंह
टकावै॥ बल्लभरसिकसषीयाकीयह
अटकनमैंअटकावै॥५२॥ चितवनि
चलनिहसनबानेतनलैमहबूबजुधा
या॥ धीरजधरमसरमसमझनकादर।

बरगोल नगाया ॥ भरि नरि वासाकि।
येंत्र केलाइस्क लियेंढहराया ॥ बल्ल
भरसिक इसइस्क जुदागीयागीमन प
कराया ॥ ५३ ॥ बनक बनी कमनीयपा
गतनरागनगुन निबढाई ॥ पेचनफ।
बीसुबल्ल भरसिकलेतियसम सिरहि

चढाई ॥ फेर निकिर पगिया लगिया।
सोबैठी ठीक दिषाई ॥ नैंन लगावत गो
सपेच पर बेलली क बहु पाई ॥ पद्य ॥ मो
रमुकुट सिर डुलै डुलै कलकी पुतरी।
जोबर जै ॥ रूपक हर दरयाव त्रावजि
ननावधर मदीलर जै ॥ लोनासोहना

नागर सागर बर मुख लीक्ष निगरजै ॥ ब
ल्ह नर सिक तांन लहरैं आवत गावत ।
॥ २६ ॥ सुर परजैं ॥ ५५ ॥ झूठे जन झूठ हि सौं राचे
सांचे न हिं पहचानैं ॥ झूठे जन जो सांच
बषानैं तौ उलटे झूठ निठोनें ॥ झूठो द
ई किये बिषई का के हिये झूठि न षानें

॥ बल्लभरसिकहंसपैरमनबिंबचनको
करजानैं ॥ पद ॥ इहिंनगधरमसरमकौ
दौरतदौरतपायपिरानैं ॥ जूठीबातें
रसनातैंरसनातैंअलसानैं ॥ दईदा
ईपसुसंगतबसनहिंभजिकितजाहि
सयानैं ॥ बल्लभरसिकइकोसेबसित्र

ननौसै हिये सिरानें ॥५७॥ जुगलमह
लरस लिंदा कुंजन्ह लिंदा उलंघिनजा
नें ॥ रसदारिंदा वृंदाबनघनचरितनहूं
गहिछानें ॥ बनकेबासिंदा सबनिं
दाकरैंसुकोमनन्ह्रानें ॥ बल्लभरसि
कचुनिंदा बिनकोनिंदासुषपहचा

नें ॥ ५८ ॥ जिनदावनहममहलीहूंये
तिनदावनवेनहिजानें ॥ पाइनदाजेन
त्रंदरपोहचैंनिंदाकरैंबिसानें ॥ कुंज
महलबासिंदाहमनिंदाअहसानेंमा।
नें ॥ बल्लभरसिकचुनिंदाहुयेबजानिं
दासहदानें ॥ ५९ ॥ रंगजाफरांफे।

कबर षरी गुमानी नष मष लौंर हे मरकैं
॥ सबतें परे इस्क देडरे सब फिर आये ड।
॥२९॥ रकैं॥ महबूबों दे महलद मोदर महरा
मपोह चैमरकैं॥ २॥ संपूरणं॥ शुभं॥ श्री
स्तु॥ श्रीरस्तु॥

॥ग्रथ धमार बज्र नर सिक ॥ राग सा
रंग ॥ होरी षेलति है नव बाल छैल छा
बीसे सौं ग्रानु होरी ॥ बैस कि गोरी गो
री गोरी चंपे की सी माल होरी ॥ १ ॥ दोहा
॥ ऊंची कसि बैनी कसी तनि उकसी नौ
हसु माय ॥ मदछा की ग्रषियां लसै बि

हीमेंश्राय ॥ ७ ॥ नथकेमुक्तनहूंरंगेदे
षिलालसोहाल ॥ नथकेबंधेबसनम
॥ ३१ ॥ नहिरंगतरंगीलेलाल ॥ ८ ॥ झीनीश्रो।
गीश्रग्रकुचझांईयहमतिदेत ॥ हिय।
कीश्रषियोतीयकीसुपियकीछपि।
छबिलेत ॥ ए ॥ तारबंधेबैनांसंधे

सिर पर राषे बाल ॥ मुक्त न हूं कों हो तहे
श्रृंग निपरस तहाल ॥ १७ ॥ घूंघट में बा
जी कर तनि कर तबा जी नैंन ॥ सिर पर
कलगी सीहलैं भलैं भौंह की सैंन ॥ १८ ॥
स्याम पोत की जोत तर कंढमाल की ढा
ल ॥ चंपकली के तर हलैं बर हमेल श्र

सुहार ॥१३॥ तसीउर बसीतीयउरथ्क
रकुरसीपरजाय ॥ तउ.घर बसीपीय
उरधसीजीयलल चार ॥१३॥ सुकिरु
किरहीजुनबल नियधकिधदिनेच्छन
केमांहि ॥ लुकिलुकिदेषैं लालकौं जु।
किजुकिझटकैंबांहि ॥१४॥ जमकैं।

॥३२॥

झूमकसारियोदमकैंदीपतिश्रंग॥ष
मकैंषयेनश्रंगियारमकैंरंगीश्रनंग
॥१५॥मटकैंमोरमरोरसौंलटकैंबेनी
चारु॥पटकैंश्रंतरझलमलैंतटकैंफू
लनिहारु॥१६॥बनककनकसीपाग
कीमनुकुगसीचिकनाई॥तनकपेच

केसर तहीं मनकुपेचपरि जाय ॥१७॥ त
टक तुरंगपागपर मनसिजकुरराभा
य ॥ मानुचोर फुरराय कैं जुरालौंउडि
जाय ॥१८॥ निजसूरतिकी उरबसीपि
यसिरचढीदिषाय ॥ त्यौंत्यौंतियइत
सिरचढीसुरातिद्योसइतराति ॥१९॥

सिर किन हूंतिय केर ची षिर किन पोंग
यासेत ॥ सिर कलबी लौछ किर हो षि
र कि षिर किमु षलेत ॥ २० ॥ कटिम न
भावन पैर हीन कटिम नभावन फेर ॥ दा
वन लागी हीर हैछेरी दावन छेर ॥ २१ ॥
झूलत एक हीछोर सौंकर त कलोल

॥३४॥

॥मंद॥ लाला बाला बेद सौं की नी बर्ला
बेद॥२२॥ नेक निहारैं जो मुसकि मारेउ
रैं तीय॥ पिय इजारतिन तिय न केलेत
इजारेजीय॥२३॥ मुक्त न हूकौं देषरी बं
धे लालके संग॥ चलि चलि कांनन तैं
करैं आनन हीमें रंग॥२४॥ फूलभरी

डुलरीकरीकंढधरीहैंलाल ॥ नक्क॥
सरकिसरकीफरकिमिलहिमाल॥
जिमबाल ॥२५॥ सघनजघनषनकुच
नितनपिचकनिसचिरंगरात॥ परस
तरसतश्रृंगकैंतरसतरससरसात
॥२६॥ तियपियचषलषिपिचकलै॥

॥२५॥

छोडैंधारत्र्छेह॥सषीसंगघनस्यांम
कैंरंगकोवरषतमेह॥२७॥गहिगहि
लालगुलालकौंकरसौंछोडैंबाल॥र
सभीजेलपटेनयेकर बिचलालगुला
ल॥२८॥लैलैमुठीगुलालकीदैदैत्र्छंच
लत्र्छोट॥कैकैंचचलचषनकौंदैदैक

रहीचोट ॥२९॥ कपटतिलालगुलाब
कौरपटतिपियकीओर ॥ कपटतिया
केहीयमैंलपटतिभजतिलजोर॥३०॥
डफरीतिनपरओगुरीसफरीसीजोरे
विफरीगारीगावहीसफरीसीचडो
र॥३१॥ गांवनचांवनसौंलगेडफहि

ब०र० बजावनिलाल ॥ भावनसौंभीजी फिरै ।
दावनलागीबाल ॥३२॥ सुरमारगके ।
॥३६॥ बीचहीथिरकिअधरकरसेग ॥ बजि
बजिमैंरंगेरैंगेचंगेमुहमुहचंग ॥३३॥ खंज
रीटनैंनींलियेंसुघरखंजरीआजु ॥ खंज
रीतमनकीकरतमंजुरीतिकेबाजु ॥

३४॥ मीनीअलकफुलेलसौंछुटीक
पोलनिआय॥ लगिलगिआंचरसौंफि
रीहियोकुमाचचढाय॥३५॥ भायभरी
परिलाजनीहबिदुरिनिकसीजाय॥
पाइलपाइनबाजनीलालहिलेतबु
लाय॥३६॥ चोलीचुपरिफुलेलसौ

झोलीझेलिगुलाल ॥ तोलीतां धननि
गावहींहोलीहीकेष्याल ॥३७॥ ग्रोन
॥३७॥ नसौंपानरचेकोननरचेनैंन ॥ सैंन
निसौंबातैंरचैंरचैंमचैंउमचैंन ॥३८॥
रागेरागनिजोरिलैबाजेबाजैंजोर ॥ बा
तैंकहींसुनीपरैंग्रोननिग्रोननिजोर

॥३९॥ तारनिमैंतानन्निकरैतियगान्
पियकलबीन॥इकुनमीतश्रोकोंभरै
करैंसुरनिश्राधीन॥ध०॥धरैंतमूराके
धसुरनरैंउचायैंनारि॥चूराजूरासौंजु
रेइहैंसुरजुरेजवारि॥ध१॥सुरतरंग
कौंश्रकलैमुहमूंदेतैंजोर॥परसतक

यचोलीलगिअरगजारसभिजायहिय
लीन ॥ ४७ ॥ रंगधारपिचकैंचलैंमूठनि
॥ ३९ ॥ चलैंगुलाल ॥ चोवाकेछुरवाचलैंचलैं।
अतररूमाल ॥ ४८ ॥ रतनपिचकमुंदरी
तरैंमुठिमांझिनदिषाय ॥ औचकछोडैं
लाडिलीचौंकिचतुरसुसकाय ॥ ४९ ॥

उपरैंनी डारी उलटि पियमनलैनीं जो
र॥ लटकैंलटकैंढिंगनलैंहलैंबादलो
छोर॥ ५०॥ उलटि अंगूठा और सीलषि
मुषपौंछनमोहि॥ प्रतिबिंबितलाल॥
हिलषैंओढ औढिदुढलोहि॥ ५१॥ हस
हिंहसावैंगावहींहैंसबरसकीअैंन॥

कायव्यूह कियै दियैं मनमन बैठ्यो मैंन
॥५२॥ जोरी धनि सौंगांढि लै छोरी तनम
नगांढि ॥ होरी होरी कहत हैं बोरी ज्यों तैं
दगांढि ॥५३॥ छूटि छूटि अंचल गये टूटि
टूटि गये हार ॥ लूटि लूटि छबि पिय छकै
कै घूटि घूटि रस सार ॥५४॥ दरकि दर

किचोलीतनीतरकितरकिगईटूटि॥
सरकिसरकितनमनमिलेटरकिटर
किरसलूटि॥५५॥मनपटुकामनकर
गह्यौफगुवाकहैबनैन॥मनदीयैम
नहीलियैभयेदुहूनमनचैन॥५६॥पि
यमनदीयैंहीरहौतियहियजियप्रान

दृतियमनलीयैंहीरहौपियहियजिय
आनेद ॥५७॥ दोहासमदोहासबैनहि
पुनरुक्तिहिनांन ॥हैंन्यारे बल्लभरसि
करसनामिलिरसषांन ॥५८॥ होरी
षेलकहैंनकौंडुकुनमैंनसुषदैंन ॥ ब
ल्लभरसिकसषीनकेरोमरोममैंबैंन ॥

५९ ॥ २ ॥ धमार रागपंचम ॥ नवलबधू
रंगभीनी प्रीतम संगखेलैं ॥ झूमि झूमि
सतानि गावति रिझई कुवरनवेलैं ॥ रं
गिलौलाल पिचकनि रंगभरि भरि
नैनऊपर मेलैं ॥ मुरि मुरि बदनदुरावन
मैंमनभावन कौंरसझेलैं ॥ मटकतिथ

रतिचरणधरणीपरलटकतिहारहमे
लैं॥ प्रफुलितनवबेलीसीलहिलहेजे
॥४२॥ लीअलिअलबेलैं॥ अंचलपटचंचल
चखचंचलमैंनमैंनकौंपेलैं॥ बल्लभर
सिकपियघुमंडगुलालमैंनवघनश्र
कसकेलैं॥२॥रागपंचम॥ होरीगोरी

सौंधे लैरी प्यारौ छबीलौ छैल नौ बन्न
मंग ॥ राग नि अनुराग नि सौं नीजे रंग भी
नीतानि पुनि निजये लग तहैं ताल गु
लाल संग ॥ नैंन रंगीले बैंन रंगीले रंगे
हैमैंन के त्रैंन रंग ॥ बल्लभ रसिक सषी
कुंज विहारी प्यारी के दृग न बस नरंग

सियेरंगेहैरंगीसेअंगअंग॥३॥रागसा

सित॥दोऊजगलगबैठेसेजअलकैं।
सोहैंअलसोंही॥घुलीअलकबिचप
लकअधघुलीघुलीनिसकेरसङ्कट
करहतहसोंही॥बेंदीटेढीरतनढेढी
ढिगअधरअंजनपीकलीकलसोंही

बल्लभ रसिक मधी चतुर चतुर शेखरि
जये मधि सदा षि श्रारसी सोही ॥ ध ॥
रागसारंग ॥ मदन मोहन बधरी कला ।
गासी सबन बैठो फेंटा केसरी ॥ छैल ।
छबीली नांति नटोरे घूघर वारे केसरी ॥
तन हिम शोर ढोर नैननि की गावत नि

कस्यौंराकेसरी॥ बल्लभरसिकमांनग
जभाजतराजतकटिजिमकेसरी॥५॥

अथनित्यगानकेपदरागबिभास॥लल
चिलपटानैंहोलालभोरभयौहूजानैं॥सुन
तबिभासललितानैंपैनिपटरसलंपट
फिरिफिरिपटकौंतोनैं॥जीनैंनीलपटमैं

शृंगझलकनिलीनेंभूषनयोंउपमानैं॥ सा
गरशंकमयंकमीनकछपबनिस्छिमी॥
दरसानें॥छूटीलटसटकारीएकताटंक
छूटिपरजेंकमिलानें॥रीझिसमररस॥
बिबससमरकरतैंषसिपरीश्रमिफरी॥
श्रनुमानें॥मदनमोहनतियबदननिहा

रिवारिचटकावतिश्रंगुलिजानें ॥ बल्ल
भरसिकरसीलीकेरसीलेरममसेनैंन
श्रधरमुसिकानें ॥ ६ ॥ रागपंचम ॥ मोर
मरोरतिमुसिकतिश्रागैंचलीपियाकैं।
लालचलागेलालपाछैंहीतियाकैं ॥ २ ॥
गोरीगोरीपीठनैंनभोरेरसियाकैं ॥ ग ॥

डिगडिबैठेबंदकरतबंदबंदहियाके॥१॥
डुहूंगांठिनतरछुटेबंदहैंहैंडुहियाके॥च
लिचलिनैंनांचलतहलतचारौंफुंदिया
के॥२॥बछीश्रेसनउतरजोरहैंहैंलरि
याके॥लषिनुजतरहैंझूलतझूमकब
रमुतियाके॥३॥यद्यपिवैणीडसतत्रि

॥धह॥

सतनहिंनैकजियाके॥ निरषतउतरत
जोरजहरमुहरासृंगियाके॥५॥ कटि॰
लचकतिकटिलचकतिसुभरनिगरछ
तियाके॥रहतश्रासरेस्यामसफानेफा
तकियाके॥६॥ बरनितबबरलेहगा॰
लहकतचलतियाके॥ सघनजघ॰

नजाई बिचनैंनरहैगसियाके॥७॥टोरा
मधुरमधुरधुनिजोरागूजरियाके॥स
रसतऊधरतिसुघरलषतकछुपीडुरिया
के॥८॥मंजुमंजीएडीश्रावतिनहिंबिच
बतियाके॥श्रावतपतेमिलावतयौंज
न्मकीपतियाके॥९॥मटकतछूटेछो।

रछबीलीओढनियाके॥ सुवरनबूटेनो
रषुलेरंगबेंजनियाके॥१०॥ मधुपनि
॥ध७॥ वारतलालरुमालहिलहिछहियाके
॥ चितईमुरिदुरिआयबीचलीनेंबहि
यांके॥ ११॥ जिनअंगअंगसौंषचेधन्प
करताजरियाके॥ बल्लभरसिकस

हरी बलि बलिया बरियाके ॥२२७॥
रागधनासरी ॥ प्यारी तोहिदेषतु नैंनसि
रात ॥ छैलछबीलीहो ॥ रसिकरसीँहो ली
ल्पगहगहीहो ॥ प्रेंमबहबहीहो ॥ नि
स्कि सोरीहो ॥ चतुरअनोरीहो ॥ र
सनिडहडहीहो ॥ लतालहलहीहो ॥

अतिसुकुमारीहो॥ संगविहारीहो॥
अतिसुषधौंमौहो॥ पियअनिरौंमौहो
॥ अंगसलोनीहो॥ मदगजगौंनीहो॥
षंजननैंनीहो॥ मदपिकबैंनीहो॥ नव
लनेहनीहो॥ कुंजगेहनीहो॥ रसिक
नागरीहो॥ गुनउजागरीहो॥ जिय

कीन्यारीहो॥ जाननिहारीहो॥ अतिश्र
लिबेलीहो॥ रतिरसझेलीहो॥ सुंदरब
दनबिलोकतअनिमिषप्रीतमनहिन
अघात॥१॥ सुभगसनलमुक्तनकीबे
दियांदुहंओरबैनौकैं॥ परमसुहाग।
राजसिंघासनबैठोमधिसैंनाकैं॥२॥

घ्घरवारैंनि बिच बिचबारीसुवरन।
कोन॥ मिथुनबरनश्रीभरनमिलन।
॥ध९॥ लषिलालनलगतसिहोन॥३॥जगम
गजगमगकरनफूलतरझूमकझम
कनिकेत॥ निरषिलगोहींडोढिरसि
ककीचलिश्रापुनपैलेत॥ध॥बैनी।

मैनीकैंकैजुगुहीजुहीसुहीहरिलेत॥ल
रीषरीसुथरीमुक्तनकीमांगबिचछबि
देत॥५॥स्यामसुरकपैनीमनबेधौघा
इलघूमतपीय॥हसिअवलोकनजी
वनबूटीज्यावतिजीवनजीय॥६॥ऋषि
योगरबनरीमदछाकीथाकौरसके।

भार मोहैं सदा सोहीं सोहैं सोभा को सिंगा
र॥७॥ सरस सुढार बीच दै लाल हिनथ
॥५०॥ के मोती सोहै॥ बिधे रंगीले श्रुति छबिछा
जैं चढे बिराजैं यों हैं॥८॥ अधर नकी अरु
नाई कौंलषि लाल लाल ह्वै जात॥ चारु
चिबुक बिच स्यांम बिंदु लषि स्यांम सरु

पसुहात ॥९॥ स्यामदसनचोंकलकीच॥
मकनिहसनसनेहसनीमैं ॥ ललनसि॥
हायसिहायलायदृगधरतनधीरजही
मैं ॥१०॥ तिलबिलसनगोरेकपोलपर॥
बुधिसुधितजिडुलसी ॥ डुलसिडुलसि
लेलचायसिमिटयातिलपरआय ब

सी॥११॥ प्रीतमपानषवावतश्रगुरीश्रधर
नछैछकिजाति॥ भायभरीश्रषियनसौं॥
॥५१॥ पियतनचितैचितैमुसिक्याति॥१२॥च॥
द्यौईरहतनुवरूपश्रमलचितसमुझत
साझनभोर॥ फुलवहिंमौजमजेनसहच
रीवल्लभरसिकहिंडोर॥१३॥रागधनो

सरी॥ लाल तो हि देषत नैंन सिरात॥ छै
लछबी लेहो॥ रसिक रसीलेहो॥ रूप ग
हगहेहो॥ प्रेम बहबहेहो॥ पंकज नैंनो।
हो॥ मंजुल सैंनो हो॥ अंतर गोरे हो॥ चतु
रमणि नोरे हो॥ सांवल सुंदर हो॥ रसि।
कपुरंदर हो॥ अनंग तरंगी हो॥ नवति

यसंगीहो॥ शृंगत्रिभंगीहो॥ नवरतिरंगी
हो॥ सुषकीसीवाँहो॥ लषिलषिजीवाँ
हो॥ जोबनमातेहो॥ अतिइतरातेहो॥
रूपउजागरहो॥ सबगुनसागरहो॥ मो
न नँप्यारेहो॥ नैननितारेहो॥ अनूपसलो
नेंहो॥ रूपअकोनेंहो॥ मनमथमोहन

हो ॥ शृंग शृंगसोंहन हो ॥ मदगजचाल
हो ॥ बर बनमाली हो ॥ मीनझकझोले
हो ॥ महामिढ बोले हो ॥ मदनमोहन सु
षसदनसुवननये निरषत छिननत्र
घात ॥ २ ॥ बनकबनीकमनीयपागत
नरागनगुननिबढाई ॥ फबीबहुतपे

चनि त्रैंच निसौं नियसम सिर हि चढाई ॥
२॥ फेर निफिर प गियाल गियासौंजग॥
॥५३॥ मगबैढी ढीक॥ अबसिर पेचल गायति॥
नैंननिदेतबेलअरुलीक॥३॥ मोरपछ॥
सिरडुलैडुलैकलगीपुतरीलौं बरजै॥
ह्यांरूपकहरँयावअावजिननावधरम

कीलरजै ॥ध॥ छोरेघर घालनकौंहालन
घूंघरवारेकेस ॥ गजमोतिनकीदलक।
निफलकनिश्रलकनिबीचसुदेस ॥५॥कु
तलकुटिलछलनिश्रभिरामस्यामघननै
हीजोनि ॥ ग्रीवलगेकाननिसौंश्रानननसौं लगि
लागतश्रानि ॥६॥ केसपासयेफिरत।

बदनकैं आसपास आराधैं ॥ आवनिदेस
पास इहिंडीठसुदेसपासमौं बाधैं ॥७॥ नैंन
॥५४॥ मेंनमतवारेनैंननिनैकनिहारेंभोरें ॥ डो
रनिबांधेमेरेनैंनसुडोरेडोरेडोरैं ॥८॥ नैं
नपूतरीस्यामलालडोरनिसौंबंधीनिहा
रैं ॥ पैठितरुनिकैंउरबाढीबहुजरज

रनिउषारें ॥९॥ बनीबुलाकस्त्रनीनासं
कीमुक्ताहालनिनावैं ॥ छिनछिनछबि
कीछुटैउलाकसुलाककियेंमनल्पावैं
॥१०॥ श्रमलश्रमोलहसनदसननिबि
चबनीबेंजनीरेषैं ॥ इहिश्रमलनिश्रम
लीछैगईकमलीनेईश्रषियांदेषैं ॥११॥

नीमोमिहीरोंमरोंमनिकीछबिसीमोनदबं
वैं॥चढीचुरीनिचुनावटचोननिबढीछबि
निदरसावैं॥१२॥ बलकतिझलकइजा॥
रसुहायेगहिपाइनचुरीजुधरई॥निरष॥
तछोरइजारबंदकेझलकतकलकत॥
परई॥१३॥कलकंठीकेबीचउर बसीत

लमुक्ताहल जूले॥ रापत जूलेमन कौंन
नकौंधन कौंस बूंनूले॥ २४॥ मुक्तनकी कौं
बछीलषि बछी मुक्तनकी मतिसार॥
मुक्तनथाकनिसोंहालतमुकतनमन है
केहार॥ २५॥ बाजूकोताइतजाइतमैंबं
दकरतजलकैंसें॥ पइंचीतापइंचन

पकरेसींघरपहुचेतियकैसें ॥२६॥ सुवर
नकराकरायधरेकरमुहरासिंघबनाय
॥५६॥ ॥यातेंगजगामिनिकुचकुंननिपंजनि
परनसुभाय॥ २७॥ सुंदरलालनकेकर
पूरिरहीकरपूरसुमिरनी॥ करपूरनि
सुमिरनबहायकरपूरनषोवतफि

रनी ॥ १८ ॥ बैठि सुपाट पाट पारतु है मूग
कर दछिनी मैं ॥ बेधि बोधि कर गहो
लाल पैठ तुलषिनु त्रषिन मैं ॥ १९ ॥ सु
घटित जटित छलामुंदरि न के हीरनि
त्रुति द्युति कीनी ॥ छिगुनी के छोरनि मैं
छैलछबीलीमिं हिंदी दीनी ॥ २० ॥ पं

कनश्रुनचरनश्रानरनधरतधरनी॥
परबाजैं॥जोराहरितलसितपगछबि
॥५७॥ नगजोराहरितबिराजैं॥२१॥जोराबरयु
वतिनकोहस्योसुपायपस्योहूश्राय॥च
टकनिमटकश्रदाइनकोंपाइनकोंदे।
तसिषाय॥२२॥छबिलषिछकीछबी

लीकैंसंगछकीछबीलीसषियां॥सु॰
वरनसुवरनकलकलसनिस्त्रागैंक॰
रिसिरवनिस्त्रषियां॥२३॥लोनीनिय॰
तनचितैचितैमुसिकावैछरीफिरावै॥
घरीघरीसुछरीकेपंजहिनैंनकंजसौं॰
लावै॥२४॥धारेहारहिलैजनेउवांजि

यमैंधारेगोभे॥ स्योमसोमसुरकहिक
ल्यानदछिनकरधनकौंलोभे॥२५॥ श्रे
॥५८॥ कभरनश्रातुरचातुरतिय नियरेंश्रोव।
नकीनीं॥ केसरिकीबेंदीमेंदीनीसगम
दबेंदीजीनीं॥२६॥ प्यारीछिगुनीपरब
लदेश्रलकनिकेछलनिसुधारै॥ बद

नइंदुपर स्वेदबिंदुलषिलालसमासहि
दारै ॥२७॥ इहिंरसछकेसकेनसंभार
बिकायथकेमेरेनैंनां ॥ बल्लभरसिक
सषीनैंननिसुषबैंननिकहतबनैंनां ॥
२८॥ रागधनासरी॥ प्यारीकेबदनसद
नमैंयेनैंनतुरंगश्रलोलनित्रैंन ॥ स्यो

मसरोवरतनलैनिकस्यौजलप्यावनकौ
मैंन॥घूंघटलियैंहीयेनाचतनिकरत।
रसकेचाय॥भौंहसैंनसिरपरकलगी
सीहालतफिरिफिरिश्राय॥श्रुनीकी
बरुनीकारीकिसवारनकेसेछोर॥फ
लकतश्रेगश्रसितसितसोईश्रबलक

रंगनिजोर॥ पलकऊपकसोईषूंदनिइ
हिंभायपायकछुदेत॥ तृषितभयेसुम।
नोसरवरकोंइतहिंबुलायेंलेत॥ पढ़ु
चेउज्वलरसकोंझेलतषेलतमानोंचें
न॥ बल्लभरसिकसरोवरतैंश्रबका।
ढेढ़ूनिकसैंन॥ ९॥रागनट॥ प्यारीरू।

पभूपपियऊपरनिपटश्रनीतचलावै
॥कहतकहोनहिंजायहायथहदेषे।
॥६०॥ हीबनिश्रावै॥ बेधतनैंननिसैंननिलीयें
तारेनबीचरषावै॥ मुसिकनिबोधतर
चौंपनिमारतलटसोंलेलटकावै॥ हियैं
चढ्यौश्रेदेतननलैढोडीगाडगडावै॥

मोंहनिमोरिमरोरिकेपावैसनमुषरसनि
डुबावै॥तिलसुकहातासौंतिलतिलमैं
तिलतिलदिलहिकरावै॥सोंपैनिरख्य।
मनमथहाथनिउरकुचगिरहिचढावै।
बूझतहौंतोसौंश्रालीयहबैरकिप्रीति।
कहावै॥बल्लभरसिकसषीकौतिकपि

व०२० यहीलषिसुषपावै ॥२१॥ दादीगहैंकुं।
जकीडारीझूमतिलटकतिसीप्यारी॥ ल
॥६२॥ टकतगोरीबांहमांहमषतूलनकेफोंदा
री॥अटकीतियकीलटसौंहिलिमिलि।
पियनिजकलगीढारी॥लटकतमाल
बारलेछोरउलटिउपरैंनीडारी॥लट

किलदुःखैलालत्रुधरबरबीरीदेतसेवा
री॥ लटकित्रुधरहीदेतवहैरसमानत
सुकृतबिहारी॥ लटकनिमैंइतरायपा
यइकउलटतिकछुछबिन्यारी॥ लट॥
किलटकिबातनिपरबल्लनरमिकत्रु॥
लीबलिहारी॥१२॥ रागहमीर॥ एरीय

ब०र० हमेरेमनञ्चटकीमूरतनागरनटकी॥मैं
नसैंननैंनविहसिमटकनिलटकनिमो
॥६२॥ रमुकुटकी॥कुंतलकुंडलचिलकति।
लककेसरिबेसरिदरिलटकी॥शृंगशृं
गञ्चाभरनहरनमनमनमथगतिचट
भटकी॥चटकिचटकिपगधरनिधर

निपर छुटचटकीलेपटकी॥ पोनभरेश्रो
नततानानिलैतियमतिगतिश्रुतिहट।
की॥तितहींचषिचलिजुरतजितेहित
चितवनिचितमैंषटकी॥ लषिलषश्रो
नंदचोटमहतिमतिबलभरसिकसु।
भटकी॥२३॥राग हमीर॥ मंजुकलकु

व०र०

जतलबिमलमंडलधवलनवलरसरा
सबिरचितकिसोरी॥ ललितललिता
॥६३॥ दिसषिषचितकरपरस्परमंडलिनँत्र
तिगतिनथोरी॥ श्रोनसमतूलत्रुनकूल
प्रियत्रुमसुजमूलधृतमधामंडलसुगो।
री॥त्रिबिधिसुषग्रामत्रुभिरामगुन।

धोमबलस्योमश्रालापजतिसुमतिनो
री॥सषीसुरसालसुरसालबादितमृदं
गबीनरसनीनबरग्रीवडोरी॥गीतसं
गीतकृतरीतिगतिजीतिगृहलेतसुष
देततोननिझकोरी॥ नृत्यगतिरंश्रे। ग
गश्रेगमटकायकलश्रलकलटका।

ब०र०

यकृतचित्तचोरी॥ षेदकृतस्वेदकण॥
नेदमीतमकरतभावभरि नेदभ्रकुटी
॥६४॥ मरोरी॥ थेईतथेईथेईउघटसुघट्सु॥
षसुषमसुषगंधमदश्रेधश्रलिबंधको
॥ सेधान ॥ री॥ तांनबंधांनसुरग्यानयुवराजगज
राजश्रालोनडोरी॥ नाविरमनाहमन

कंचुकीकरबसनअधररसरसनिअनं
दबोरी॥निरषिबल्लभरसिकसहचरी।
हियहरषिपरषिनिजभागमदमत्तजोरी
॥२ध॥रागगमन॥फबेओऊदोफैंटागोरे
भालपरबेंदीलाल॥सोनेंसूतकलगी
केनीकेझुकेदोहनेंअलकस्यामपर।

व०२० करहिहाल ॥ सुवनबनीनथकेफेरनि।
फिरिफिरिपांनषातइतरातबालादरपा।
॥६५॥ नलषिरिझवाररीझिलजिउढंगीपिया
सोंभुजभरीबल्लभरसिकलाल ॥२५॥
नीमातनसुषकोषुभिबन्यौंहैसोंधेसनि
सुवनशृंग ॥ केढीबनिबैढीकटावकी

उमंगभरे अंगकी झलकनि पलकनिहीं
उठनअनंगरंग ॥ अंसहि झेलि हमेलर
तनकी छूनि तंबर हीछबि अभंग ॥ चुरी
घुरी सुथरी धारनि की दांवनि मधि झम।
कनि सषि बल्लभ रसिक चष फिरतसं
ग ॥ ९६ ॥ लियें कर छरी छबीली मिहरी

दियेंसुरंगरंग ॥ जोबनश्रुतिइतरांनिप
ढाईसुकरनचुरीजुदुरीलेचढाईसोहै
मोतिनछरपडुचीनसंग ॥ पाइनपा॥
ईपायजेबजेबदईजोराहरितसुरंगढं
ग ॥ बल्लनरसिककरनपरकरध्रिले
श्रनूदीतांनदमकिदमकिचलिचलि॥

॥६६॥

सुधंग ॥२७॥ दोऊ मदमाते लगनि लगे
रगमगे गात ॥ बहसि बहसि अधरास॥
वप्पावति बिहसि बिहसि शृंगनि शरज
वतर हसि र हसि लपटात जात ॥ प्रीत॥
मसुकृत बेलि फूली जूही जुत रुनि चढि
सुरत सुरत शरतन शघात ॥ यहसुष

॥६७॥

निरषतहरषतपरषतबल्लभर सिकस
षिनैंनसिरात॥६८॥रागकान्हरा॥स्यामस
षीगोरीकीगुहतिबेनीहिचाडसों॥जा
नुजुगलमधिसधिबैठीपैअंगखुगल
अंगनिचौंकीसी भौंहैंअैंठअनषातला
डसों॥अतिअनुपनेकोमलकपोल

लगि बिरम बिरम कर रहत स्वाद साउ
सौ ॥ छुवत नहीं नुज मूल निफल निश्रुति
बिहसति त्यौं त्यौं जिय जमि बैठत मैं नमें
उसौ ॥ राषी स्त्रैढि उरोज निकपर पीढि मी
डिनी ढिहिय ग्रीवा ऊँकै कर निकसत नहीं
चिबुक गाड सौ ॥ दरपन लषि रिझवा

ररीझदेतमनमोनीरससोनीजानीव
ल्लभरसिकसषीलषहिप्रेमग्राडसों॥
॥६८॥ १९॥ छैलछबीलीबालगुहीबैनींग्रति
दादी॥सोहैसुदनोहैतनीग्रषियोमद
छाकीसुवनकंचुकीगादी॥झीनींग्रो
ढनीकोग्रंचलसिरछबिनरेग्रगसों

चेभरि काढी ॥ बल्लभरसिकरी जिपाय
परे हसि श्रेकभरे प्यारी तबरमसलिता
बाढी ॥ २० ॥ रागविहाग ॥ महलमदमा
ती श्रलियैं श्रोरें कहा मानैं ॥ श्रलबेली
के संगभई श्रलबेली श्रलबेली पहरै
बसनसहानै ॥ बेदभेदबिनुनेंमप्रेम

बिनुनेकनमनमैंश्रानें॥ श्रछनश्रछनप
गधरहिंकुंजमगमगजचढेश्रसमानें॥श्र
तिसोहनमनमोहनहूंसौंबानश्रैंढकीरो
नें॥इनकीगतिमतिप्रीतिनीतिबलबल
लनरसिकैजानें॥२१॥लालधरेथिरम
निछबिसोहेंढिगकलगीकें॥श्रसनि

झूलि बेलबूटे फूलनि षुलीमनहुं हेमफू
लफूल्यो रूपद्रुमता सौं लपटि फूली है बे
लीनी कैं॥ त्रैसैंही हेंम बेलि दुतही पै कु
रती के बूटे फूलनि षुलीमधुपनैंननि म।
धुपियो छबीली कैं॥ त्राधी तानर हति
सतरंज बाजी त्राधी त्राधी बीरी करब

॥३०॥

ल्ल नरसिकसषीकैं॥२२॥ मंजुलमूदुलङ्
लाईआजुमोमनभाईललितानूआंनव
दाई॥सुवरनंबछटाचहूंपरछबी
लीकेछबीलेकपोलनिऊपरलगिज।
गीबेलिसुहाई॥जगमगेलेहगापैहेंम।
बूटनिकीकुरतीकीबेलिगीवडूहूंघां

दुरि उरझपर आई ॥ ज्यौं ज्यौं उकसौंहै।
श्रेगजुगदरसौंहैं सौंहैं त्यौं त्यौं बल्लभर।
सिकलुभाई ॥२३॥ बदनपर पाइयतिरी
हियकी फूल ॥ हारहमेलनिउरझावत
पियसुरझावनिदीवनिचावनिमिसुम
रसतपरसतउरजमूल ॥ मृदुलडुला

व०२०

॥७२॥

ईकीबेलिसुधारतकेलिकेलिसुधार।
ततनमनवारतजेलिकपोलनिकरन
फूल॥पियकरलगतजगतमनमथत।
बहियहियफुलसनिसुलसनिसोहत
मोहलबिहसतझरतफूल॥नैंननिमैं
मैंननिकीगरजनिमैंननिमैंचैंननिकी

तरजनिनेहपगेश्रामूलचूल ॥ बल्लभर
सिकसहचरिचषभरिभरिपियैरूपम
दधुरतिदुरतिसीदुरतसुरतरससोन
कूल ॥२४॥रागसंकराभरण॥नवउ।
रजउतंगरंगमगमदलेनबलबिचित्र
रचत ॥ छैंनमैंनकंचुकीकीदुकींसीलि

व०२०

॥७२॥

ईकीबेलिसुधारतकेलिकेलिसुधार॥
ततनमनवारतझेलिकपोलनिकरन
फूल॥पियकरलगतजगतमनमथत॥
बहियहियफुलसनिसुलसनिमोहत
मोहलबिहसतझरतफूल॥नैंननिमैं
मैंननिकीगरजनिसैंननिमैंचैंननिकी

तरजनिनेहपगेश्रामूलचूल ॥ बल्लभर
सिकसहचरिचषभरिभरिपियैरूपम
दधुरतिदुरतिसींदुरतसुरतरससोन
कूल ॥२४॥रागसंकराभरण॥नवउ॥
रजउतंगरंगमगमदलेनबलबिचित्र
रचत ॥ त्रैनमैंनकंचुकीकीडुकींसीलि

व०२०

षिसंवारीषएषमकिसीबेढारीमुहरीवि
चबिचश्रुतिरंगबाढतजबकरत्लचत
॥७२॥ ॥फैलेरंगहिगहिगहिपोंछतहारिनमा॥
नतफिरिफिरिगोंछतसंभरिसुधारतनें
कनउमचत॥बल्लभरसिकश्रुधबनीयेंकें
चुकीसौंबनीबनोपररीझिबनीकीश्रुतिगति

रतिरसमचत ॥ २५ ॥ अथ बर्ष उत्सवके
पदलिषते ॥ रागमल्हार ॥ ललितहिंडोरो ।
ललितार चौहै ॥ लषिलषिदोऊहरषेरी
दंपतिबरनसुभावसुरतपूरतिमनोंसो
निसचौहै ॥ कृतआरंभजंभभेदिनमणि
मंभक्रोतिउमचीहै ॥ तिनमैंलालमणि

नकुसुमनिसौंकनकमणिवेलिगचीहै॥
राषीश्रेसमैंयारिमैंइनाषीभाषीकविर्यो
रैं॥मिलिनिकरेकरलषिश्रनुमानोंबरप
गसौंपगजोरैं॥दुहुंदिसकलसमध्यक
मलाकृतिकुचबदनाकृतिमानैं॥हैहैश्रे
गदरसतनहियातैंरतिलंपटलपटानें

॥ मणिरंगपटसमडोरीडोरीसुरतछुटेद
रसान॥ कामकेलिगुंफितनहिंडोरीलाभ
षिपुनिरससरसान॥ आनिपरीआडेप
डुलीचडुलीनहिंडोरीधारी॥ छुटिघटके
झूमकडुहुंदिसलटकेपडुलीरतनारी॥
मणिमयशुककोकिलचात्रकधारेम

यार करि बोलैं ॥ सांचे केकी हूं संग राचे ॥
नाचें करैं कलोलैं ॥ नो बन मैं फूलन तन
जन मैं फैली छटा नवीनी ॥ बल्ल मरसिक
॥७॥ मदन दीपन डुहुं मिलि चलि फूल निलीनी
॥ २ ॥ नवल रसिक बर संग फूलन अति फू
लति बन रानी ॥ फूलत घन फूलत वृंदा

बनबसनबनकमनमानी ॥ प्यारीपियके
नेहसोंसनीपहरिसोसनीसारी ॥ झलक
तिबंदनसहितकंचुकीझमकतिलगीकि
नारी ॥ चिलकतलैहगाकीधारीपरसारी
मिहीनदीसी ॥ प्रकटितमंजुलपिंजुलक
ौरनिहूंइकठौरीसी ॥ ललितगुलाबी

व०२० कैंटासीसकलितसिरपेचसुकलगी॥ कस
उरबसीतलमुक्ताहलहालनिहाल्मनिव।
।७५। लगी॥ सुवरनबरनइजारचुनावटबेलिबु
नावटगतकी॥ गुलअनारनीमासीमोंमैं
झलमलझलमलअतिकी॥ रंगभीनोंझी
नोंरुमालडोढोकरिकटिकसिदीनों॥

बल्लभ नरसिकर सीलीझूलनेझूलिझूलिर
सलीनों ॥ २ ॥ रंगरंगीलेदोउझूलैंझुलव
हिंसहचररंगरंगीलीं ॥ दसनरंगीलीबस
नरंगीलीरसनरसनरंगीलीं ॥ नवजोव
नजोरनिमोरमोरनिछबिअंगनिमें ॥ न
ईबोधनूतनमैंलषिपियलईबोधनूमन

के

मैं ॥ लहरैं लेहिलहरियासारीरूपसमद के
जोरैं ॥ जायकिनारेलगेजुतारेतिनहूंकौं।
लेबोरैं ॥ हरीहरीचुनीपरबूंदैंलालचुन
मीमोहैं ॥ लालचुनीपरबूंदैंरूदैंमनकौं
हैं ॥ लालचुनीइहिंलालचनीकैंबालचु
नीनसैंनालै ॥ रंगीजोनरंगीनलालये।

३हरीहरी

रँगीनरंगनबालैं ॥ लालहरेअतरौटनकी
दुतिलालहरेमनकौंहैं ॥ लालहरेमनजा
यलगेजहांलालहरेकैनोहैं ॥ मुलकटचो
लीबनीधनीकेंअतुलपुलकउपजावैं ॥ चु
कीनटूकटूककरचैंकंचुकीटुकीसुभावै ॥
भागभरीभामिनिअनुरागिनिरागमसार

हिछावैं ॥ संभ्रम दामिनि जौंन स्यामघन
मि भूमि पर त्रावैं ॥ एक मृदंगतरंग धरैं
॥७॥ कवीन प्रवीन बजावैं ॥ सुवरन रंजित चूरे
कर नित मूरे पर निमिलावैं ॥ झूलि झूलि
झुलवहिंगहिंसहचरचहचरजोरमचा
वैं ॥ एक कहैं छिन रहरीधीरीबीरीपा

नषवावैं ॥ झुलवैंबीरबहूटीसीजुबधूटी
भूषनबाजैं ॥ बल्लभरसिकअलिनुकेअं
गमनुअनंगदुहाईगाजै ॥ ३ ॥ झूलतषेल
नछैलछबीली ॥ नवनवरंगमचावति
गोरीडोरीतजिअरबीली ॥ नारिनकैंकर
शुकसारिनकेपिंजरमंजुललागे ॥ छैल

प्रेमपरलसितहरितशुकसोहेसूहेबागे
॥झूलनिबाललालमुनिपिंजरमनुकंजु
करलीयें॥प्रलकलडीलडिलडीछैलना
मनकौंप्रतिछविदीयें॥लालकरनिपक
रीचकरीबजिनिकरीषरीसुहावैं॥बंधी
निरंतरप्रेतरडोरनिछुटिफिरिहाथन

आवैं ॥ बालकरनितैंछुटिछुटिबेगीचा
गीवाजनिनावैं ॥ फिरिफिरिहाथनिथि
रकीकीफिरकीकीरतगावैं ॥ औचकरी की
चकरीजुबाजनीलालनसंमुषआवैं ॥ प
करीकरीनतऊलाजनीतियलौउनकौं
धावैं ॥ चतुरलटूलहटूहिफिरायगग

व०२० नतैं हाथ हिल्यावैं ॥ हाथ हिल्यावैं बालम
गनमनदैदै हाथ लडावैं ॥ हाथ लडाव
।७९। तसाथ डुलावत त्रिलिजुलइ श्रलबेली ॥
बत्तनरसिकसषीजाननछैलनिकीगा
लीनवेली ॥ ध ॥ श्रानुदोउझूलतरतिर
समावैं ॥ दाहेमचकैलचकितरुनिके

गहि फलफूलनि आने ॥ सूहे पट पहरे है
पटुली बैठे सांवलगोरी ॥ आनंद रंग रीति ये ली
पट आगुलि पिय डोरी मौंजोरी ॥ स्यामका
म बस जूलि फूलि पग मूलनि झुलनि बहौ
हीं ॥ कामिनि चरननाम रस छुटि आलि
कामलूटमचि जोहीं ॥ जोबनमधि जोब

ब०२० नमदझुलयेझूलनिफंदनिजानैं ॥ बल्लभ
सिकसषीकेनैनाएहीझुलनझुलाबै ॥५॥
८०॥ घनश्यायेरीमनभावनसावनदिन ॥ लाल
बेगलामैंरंगलालबालसुनिमलारसुर।
सुरतरंगछाये ॥ नैंनकमलश्रमलरंजि
तकृतपरजंकश्रंकश्रलसाये ॥ बल्लभ।

रसिकनेहमेहसरसिमरसिबरसेरसनिधि
झरसेन्नाये ॥ ६ ॥ ललितकदंबहिंडोरैंझूलै
॥ रसिकदेवसिरोमनिदंपतिबनसंपतिस
षिफूलैं ॥ सोहैसूहेबसनसुवननमणिग
णिभूषनबाजैं ॥ जोबनचैननिबढेहैंनैन
निचलनचढेहैंमैंनकेछाजैं ॥ रंगाहिंडोरेक

झोरीगोरीगहिउमहिझुलावैं॥ भावमहिल॥
पावसरितुगीतनिमीतश्रमीरसपावैं॥ कै
॥८१॥ श्रारूढमरुणतरुणभूपरबूढप्रौढछबि॥
छाँई॥ पावसरितुझूलनमंगलमैंगिल॥
मैंश्रानबिछाँई॥ घनश्रंबरपरसंबरार
पछिनलछिनरंगलाये॥ मित्रसोमघ॥

नहिंतनुचित्रविचित्रवितानतनाये॥ध्र
धरधरैमुरलीधरमुरलीमधिसूहोमुरग
गे॥धरबादरलौंजायलगेसुरधरबाछू
टनलागे॥इंद्रधनुषछावैबनिबनिपुनि।
छिनुछिनुमैंदुरिजात॥पचरंगसारीधा।
रीछबिलषिमनमनमनौंलजात॥नव

ब०२० लालित्यनिसौंनवलानवलालमलारहि
गावैं ॥ घनदामिनकेभोरमोरनाचैरीचैंसु
।८२। रचावैं ॥ बैठेआयहिंडोरैंकोकिलकल।
कंठिनुकैंबोलैं ॥ निजकुलसंभ्रम बोलि
र बोलिसुरंहेमझरनातोलैं ॥ झूलनिरम
कनिदामिनिरमकनिरिमझमझमकनि

घनमैं ॥ झूलनिदावनिझूलनिलावनिमि
लिझिलमिलअंगनिमैं ॥ फूलनिलालगु
हीसुहीकेपेचनिमेचकिबेणी ॥ झूलन
पाछेंपाछेंलगिआछेंमनुबंधीत्रिबेणी ॥ घ
नअँधियारीलेयारीकीनीपियप्यारीमोजो
र ॥ दामिनिजनयारीबिचबिचन्यारीस

ब०र० बियोरी ओर ॥ मोरछलननौं फिरै भौरफि
रजोरछलनकौं दानै ॥ चंचलचंचरीकए
॥८३॥ काकुलरंचनहटकोमानै ॥ गहनउरब
सीबंदजरकसीकंचुकिउरजकसी ॥ सुप
डुकसेउकसेदबिऊपरछबितबफबि
निकसी ॥ नेहमेहमरसैंउरसैंबरसैंरस

टूटैंबेद॥ मिजैंबसनमनधरनभरनअकु
रितरोंमआनंद॥ इंहिंझूलनिझुलवनि
मदछाकीछाकीमतिकतचलई॥ बल्ल
भरसिकअलीअवनीसुदिनझुलवति।
झूलतिरहही॥७॥अथपवित्रारागटोडी॥
आजुबिचित्रडुहूंधरीहैंषरीछबिपहिर

ब०र० पवित्रनुकीमालहालरंग ॥ ललितहरित
सितश्रसितलालपीतपटकीलटकीगल
॥८७॥ जुगलपीतपटकीधारनिसंग ॥ नवनवरस
कैरंगनिनरेजुसुनैंपियतियहियसरवर
कीछलकीतरंग ॥ बल्लभरसिकसुधारत
पैरतहारतकरतियहिदिपायरषायेसु

कुचपटदेतटपैअनंग ॥१॥अष्टपदीरागटो
डी॥आजुमंगलहोसखीन्योंदून्योंनिकेम
ऊमंगलबाँधीराषी॥छलनिछबीलेरंगी
लेलालबालाकरमंजुलगुलालाकेसम
रेसमघुरीचुरीनिकैआगैराषी॥और
निनरगसकेजोरनिकीभोरनिकीमोह॥

नीकमलसीसुकतनरंगमुकतनलगीला
षी॥ बल्लभरसिकपियारीकरगहिराषी
॥८५॥ लषिहरिसंगुरिहछेरीहेरीमुसकिश्रध
रकलुभाषी॥२॥ श्रथवरसगौढ॥रागबि
भास॥ श्रजुनवलकीवरसगौढबलिल
लितालितबधायेगाये॥ सुवरनबर

नजरकसीबमननिरसिकरसीलोदोऊसु
वनबनाये॥१॥ कोमलश्रमलबिछौननि
भौंननिछौनीतलकलरँगनिबिछाये॥ज
गमगातनकियालगिबैदेमषियाँदुहूंदि
सिचवरदुराये॥२॥ सुवरनगुननिबुननि
बूटनिश्रममानसिम्याननैश्रीनितनाये। सा

व०र० येबैनपुरदाकसिवेदनिमुकतनुवेदनमा
लबंधाये॥३॥लसीनरसीवसननिसहचा
॥८६॥ रचहचरमैंनसैंनसरसाये॥बीनरंगीनमृ
दंगसुरंगतमूरनिपूरनरागजमाये॥ध॥
बैठकचित्ररचीचितहेरैंकहैंकोंकैंसुरचि
त्रलिषाये॥जितनितनश्रमितबधाईझांई

प्रतिबिंबिततुमयौंसषिनसिषाये॥५॥यौ
वाश्वतरश्वरगजाश्वंबरबरश्वंबरनिसब
नकैंलाये॥पौनदौनसौंलैपौनदौनकरि।
मौनदौनमौनसहुलसाये॥६॥नवनवदे।
सगुनिनकेभेसमुदेसबनायश्लिनुनर
माये॥नौतिनौतिकीनकलकलौनस।

व०१० कलशबलीनिशानिरसछाये॥७॥शासिष
नषशासकतिनषेलौयौंशासिषकहट्टि।
॥८७॥ जनछकाये॥रीझेशासिषलषलषिमुद्रन
श्छिनधनहाथनिकरपाये॥८॥एकनिक
रउचायजसबोनीदोनीबनरोनीहिमुहा।
ये॥शावतरंभावतबनिभाटसुमनिहाट

कबमननिपहराये॥९॥चिनकनिलिस
कइजारचुनीसिरऊदेफैंटामनुचपकाये
॥नहिंबनतानहिंपुरषसुमुषसुषञ्जाये।
बनिबनितोंननिचाये॥९॥बनिबनितों।
नेंलेतसहानेरंगपटपहपटञ्जगनमचा।
ये॥दामिनिसहचरसुंदरिमुंदरिछलनव

सनधनघनबरसाये ॥२१॥ झटपटी मोतिन
वेहीटेटीपागभागझलीनझुलाये ॥ बाजत
॥८८॥ ढोलकतालझालसंगगांवनझुकिदांवनव
कसाये ॥२२॥ रेझैंदेतवनीनमहलमैंलेतही
लेतगुनीझलसाये ॥ नाचैंसाचैंप्रेमनेंमत
जिराचैंबैंनसुनैंनसुनाये ॥ २३ ॥ सबतैंश्रा

गैहैं आवत्रा पुनत्रा गैहैं हैं सबलुटवाये॥
भूषनबसनबालबकसेनिकसेहियहालत्रा
लालमुसिकाये॥२४॥मुसिकतिजुगलजु
गलजुजमेलिसहेलनुझेलिलहेमनभाये
॥बलनरसिकबधाईनवीनमहलरसलीं
नप्रबीनरिझाये॥२५॥२॥रागपंचम।श्री

व०१० कुंजमहलमैं आसो हिलो ॥ बरसगोरीकीम
बरसगो दिपुलीबरसतहैंस्यामघनरसध।
१८९। नकीसागी मोहिलो ॥ कामिनिदामिनिरह
सिबधाईगाईतानमानअद्भुतयहरसरसि।
कनिहीकौसोहिलो ॥ बल्लनरसिकन्यौंन्यौं
अंबरआनंदछायौत्यौंत्यौंभीजेअंबरतन।

मनदंपतिसंपतिलहिमनमोहिलो॥२॥ध्रु
ष्टसाँझी॥गौरी॥मेरीछैलछबीलालाडिली
मेरोछैलछबीलोलाल॥लियैंछैलछबीली
सहचरीषेलैंछैलछबीलेषाल॥२॥बोनी॥
बोनीयोंनईधनबनरानीरंग॥साँझीमह
लमाँझीबनिजथ्रलिमिलिसाँझीसंग॥

२॥ कह्योबिसाषासुषदुमसाषामंजुलसाषा
बैन॥ आनुसुकुवारीजूकुवारीसांझीवारीप
रवाबैन॥३॥ सजिसिंगारबैठीहीचौकीचौ
कीयोंकीप्रीति॥ जोपरिवारीतौपरवारीफु
लवारीचलिनीति॥४॥ भूषनछौंनीमद
गजगौमीधरिस्यामसलोनीनाम॥ लखि

तारससलिता हितबलिताल्पाई पूरनको
म ॥५॥ गोरीगोरीयौकहोगोधौरीतेरेसं
ग ॥ मोतनुनिरषतिहरषतिपरषतिबर
षस्यामघनरंग ॥६॥ कहीललितायहसं
गीचीतनिरीतनिनीतनिजोर ॥ गीतनिसो
जीतनिजीतनिप्रीतनिसौल्पाई इहिठौर

व०२० ॥ ७ ॥ स्यामसलोनीसषीलषीहरषीरषीअप
नेसाथ ॥ कुंजबागअनुरागभागभरीचली॰
॥०१॥ हाथधरिहाथ ॥ ८ ॥ करैमोदबिनोदकमो
हिनिसींझिकसींसंगअलीअनेक ॥ हुलसीं॰
हुलसींलसीअतुलयुगबदनससीसुस॰
क ॥ ९ ॥ मनलेनीपिकबैनीकीबैनीसुहे

नीरही झूलि ॥२०॥ स्यामरंगरैनीचढीन।
नैनीबैनीमैनीकीढार ॥ छुटीअपारसिंगार
नाररसकेनहीटूटीधार ॥२१॥ चोटीहेमर
तनजोटीनिनंबपरलोटीओनि ॥ मनुनूष
नलपटेलपटनुजकीलटकिलटकिलप।
टाने ॥२२॥ देषीचोटीस्यामफोदासंगलो

व०२० ह्रीऊँझोटीसीकाहूकपाय॥ गोरीदईपीठिप
छैंतऊलेतहैपीहहिडीठिलगाय॥१३॥वै॰
॥९२॥ नामैंनाछबिसैंनाखैलूटतरसत्रैनान॥
पियहीरालैलेहीरानिजजनहरिराघोहीरा
न॥१४॥करनफूलकरननिझूलतइहिन्
लनभूषनजान॥ सामपननिमिसस्योम

पननिसौं बांमकामलगेश्रांनि ॥ २५ ॥ रूपनू
पपकरौंसकरौंजकरौंनिकरौंइकजाति ॥
बंधीमुकतनुकीबंदीबंदीबांननुकीपांति ॥
२६ ॥ झूमिझूमिरहेझूमिकझूमकरतकपो
लपरश्रोय ॥ करनफूलबसौंसौंमकरनफू
लदेतछाय ॥ २७ ॥ नैननैंनछबिपाइक

नाइकसाइकसमचल्योहैउमंग॥ताछ्वि
पाइकेकेपायकीआयथेजूमकमिसजम।
॥९३॥ कीहैजंग॥९८॥सुरकजुउरकेहधरकेह।
पैठिचतुरकिंहजीत्योजाय॥बैरीआडेदे
तकियाछकियातकियाहिपियासरसाय
॥९९॥कबहूंचोवाबैंदीबालनालजोवा

जोवाकोसाँम॥ सोवाकेवसहोवाघरषो।
वाकोवाकेधाँम॥२॥ लाललालदलकीवैं
हीलँकीझलकीदईबाल॥ लिषोविधाता।
भालबिसालसुझलकतलालरसाल॥२॥
हारेनयारेबिसहारेसाँननिधारेबाँन॥
वेतुजाँनलेहीजानतचषलेदेजानतप्रा।

न ॥२२॥ षंजनमीनमबीनलीनबनहीनलो
नउपमीन ॥कुरंगकुरंगतुरंगढोरचषओ
॥९७॥ रचकोरनओन ॥२३॥ चषमुषमोआसनक
मलासनआसननिजननकीन ॥बिमलजु
हृदयकमलकमलजकोधूलकमलमुष
हीन ॥२४॥ मदनसिंगारेचषमतवारेकज

राँकजराँदीन ॥ तारेमधिधारेप्यारेकौंभारे।
कारेकौंन ॥२५॥ जिनपषियाँमैंबषियाँमीदेर
षियाँऋषियाँकीठौर ॥ तिनमषियाँयेऋषि।
याँलषियाँऋषियाँलषियाँनहिंऔर ॥२६॥ नैं
ननिराजतनवयुवराजबिराजतमैंननिक्रो।
ति ॥ तौनैंपलकबितौनैंऋतुनीबरुनीकी

झालरझूलिजाति ॥ २७ ॥ लहलहातसीजुटी
जुटीभ्रकुटीकुटिलनकुटीकरफेरि ॥ नाइ
क त्रैनैगनचावतत्रैगनाइकनाइकमनिहे
रि ॥ २८ ॥ नौहैचढीगढीधौकिंहिंबिधिपढी॥
कुटिलताकोर ॥ गरबत्रैरबछबिबढीक॥
ढीमतिबढीगढीलहितोर ॥ २९ ॥ सुकना॥

सास्वासासुगंधश्रासाश्रलिफिरैंचहूंकोर।
नासाहूंसिबैठेनासारासाइतलहैंश्रमोर॥
३०॥ हौरमनोरथकीपथकीसुथकीनथ।
कीछबिजोहि॥ दृष्टिपरीरसकेचसकेसस
केनसकेचलिमोहि॥३१॥ नथमनमथको।
रथरसिकनिकीदृष्टिपथनिचढ़ौजाय॥य

हत्रुकण्ठकौतिकनुण्ठकौंहैंदृष्टिपथकौंही
लेतचदाय॥३२॥गोलनुगोलकपोलश्रमो
॥९६॥ लतमोलरँगनिफलकैं॥लेतहैंमोलतोल
बिनपलमैंलोलपरनपलकैं॥३३॥दरप।
नसमसुनिदरपनपनगहिगईकपोलनि
झूमि॥निपटसुपटदृष्टिनिपगरपटतच

पहिरहीनिहिहिन्मि ॥३४॥ लालधरलो
लनमनधरहीधरसुरंगधरैं ॥ हसनमैं
सोमदसनदरसनकेमउज्वलरसनिभरे
॥३५॥ पियचौपनिलौपनिसौनिरषतच
षसौपनपनलीन ॥ षौपनिषौपनिकरना
कौमनमथमनकौपनिपनिकीन ॥३६॥

तिल तिल मैं लषि तिल तिल सम किय व
दन प्रिया गहि पीय ॥ आय तिल द्वै क पोल
चढ्यौ सुचिर सम ढ्यौ सोवत जीय ॥ ३७ ॥ आ
यो सु पग हनैं चहनैं मन चिबुक लै सुचिर स
मैं हनै कुबोर ॥ गहनौं सो लषि कर गहनो
लहनो जु बिंद कियौ मोर ॥ ३८ ॥ लटकी ॥

लटपटकी अटमनकहो घटकी उपमान॥
चषफेरनसौं चषकेफेरनकी षेलनमहचौं
गौन॥ ३९॥ स्यामसारीमैं मोतिनवारीहेम॰
बारीकौननौंज॥ तासौंजुरीजुअलकमं
नौघनबिजुरीअरुताघुरीसोज॥ ४०॥ क
करीजीसारीमैं सुघरकरीजीसों हेमफूल॥

जकरेजीजारसिंगाररसिकश्रकरेजीमान
तफल॥ध२॥उरजनिपरजुनपरतिलषी॥
कंचुकिपरबंदसुदेस॥पलकिसोरवेऊ
बडेसपलगिरपरेबिपलमुदेस॥ध२॥
श्रतलसलेहगादेमषतलसनलिषेमन॥
लसतहैंलषिप्रेम॥पियमनघूमनघूम॥

तयू हकौंधौंधूमतगहनेम ॥ ४३ ॥ एक ओ
रतैंउलटिछोरसिरधरौजोबनकेजोर ॥
मिलेअलकजलकनिमवादलेहलेबादले
छोर ॥ ४४ ॥ कियोउदोअस्यामपोतिनकी
जोतिनमैंबमिलाल ॥ मोहसिंगारैंनदीन
कपतुतपतपतुजपतुमनलाल ॥ ४५ ॥

लरौलरौनुसतलरौकीधरीग्रीवछबिभरी
तीयलिय॥सिंगारेभारेव्रतधारेप्यारेमिल
॥९९॥ टूटनजिय॥७६॥लषिचंपकवरनीकेनसे।
चपकलौनिकलौकहैंलाल॥नईतरुनी
यहतरुनीनिमैंकौनिकचंपकतरुनीडाल
॥७७॥जिंहिंगमगातमधिनाइकऊँति

सुभाँतिउरबसीपाँति ॥ सोहैसोहमेलकरि
केलिश्रेसउरझेलिझुलीझलकाँति॥४८॥
सकलकलारसगुरउरबालाहालारसाला
दीनझुलीझैबिहालामुकतनिमालालाला
मतबालाकीन॥४९॥चोलीगहैंचषपेहि।
बुलात्रिवलीरसश्रुतिबलीमैंन॥लषिचो।

रीतहाँ सैंनबनीनिकसैंनमैंनसैंनबैंन ॥५०॥
मोरनिलगियाँ जैंगियाँकोपियाकोहियानयो
बोर ॥ धस्योमोरिमरोरिरसिकबरमोरमरोर
तिमोर ॥५१॥ मुहरकेचुकिमुहराधरिजुहरा
रावैबुधिबलिमीनकेत ॥ पियमनमूबनडु
हरावैमुहरातनमुहराजेहेत ॥५२॥ बैठो

बाहमाहगडिपैठौताइतत्रैठौसोमस्वतंत्र
॥तामैसुवरनचित्रमित्रचषचित्रसमानक
रनकेमंत्र॥५३॥बाजूमैंबाजूबैररननफबा
फूलतमषतूल॥करेइहिंबाजूकोबाजूबंद।
सानाजूचदेनडीहिमूल॥५४॥सोमपोतिसु
वरनपोतिनमिलीकोतिंहिंउपमाहोनि॥

रीझलपटनिभुजलपटनिनूषनकपटनिदे
तिअंगजोति॥५५॥करगुजरीमकरध्वजरी
जरियांभुजरीमनोजानि॥मणिबेलिगचीर
तिकेलिसचीलल चीचषलालकीआनि॥
५६॥लालमूंगाछैबिधोमूंगाकाहूंगायौन
नवीन॥करमोतिनछरसितजोतिनहो

तिनहूंकरतरंगीन ॥५७॥ रतनचौकमधि
लालनौकछबिरतनसौककीभाँति॥हाथ
लालनकियेहाथलालनकीबशीकेलालन
कीऔंति॥५८॥मिंहिंदीहाथमेंहरीतिंहिं
दीयेंहाथलालकरिचित्र॥तासौंनेहलगा
यजगायरंगनिसौंरंगायनैंनकरेमित्र॥५

९॥ सोमछलनकीछबिबलनिपछलनिप
हुँचीपहुँचीजाय॥ पियञ्जैगुलीरंगुलीसंगु
लियपहुँचनिपकरनिकेनाय॥ ६०॥ रतन
मुद्रिकनिमुद्रितकियनपछुद्रकरनदीन
गान॥ निजकरनकरनिसोंजुकरनकौंदि
यसुवरनकोदान॥ ६१॥ मीनोंरंगीनाञ्जार

सीनवीनौंसषीप्रबीनौंजौंनि॥ यहअागेकै
कैबदनमदनसदनहिबनावतत्रौंनि॥
६२॥ छिंमुनौंकपरछलानूपुरफुलेभूपर
मनौंछबिजाति॥ गाढीतारबंधीकौतिक।
कैगोलबोलतिनचुचाति॥ ६३॥ कटिश्रुट
केकटिश्रुटकेसफानेफामैंनफाचषजा।

नि ॥ राषेसंवारि करिबर नितंब त्रंबर कैजग
ननि त्रौनि ॥ ६७ ॥ मधनजघनसुमदनकेसद
॥१०३॥ नलषिरीझपचाईनजाय ॥ त्रतरोटेकीसलोटै
कैचषलोटेपाइनत्राय ॥ ६५ ॥ रतनगूजरी ॥
लषिछबिजोराजोराषौटौरौनि ॥ नपरसिकम
हाउरबसौलसौदरसौलैछत्रमुकतौनि

॥६६॥ पाइनपायजेबसौंबजायमुल्यायलि
येहैंजेब॥ तिनमनरतनकीधनकीधरनकी
पायजेबकरीजेब॥६७॥ जालीकीचुटकीकै
गौरछबिलुटकीघुटकीनैंन॥ मनौमित्रक
मलदलश्रमलश्रेगुलिनुछोनिश्रमललगो
दैंन॥६८॥ रागीश्रनवटभटछबिलागी॥

व०२० यागीपौनडरात॥येचढेशृंगूढनगूढनपरब॥
तमनकूढनिचढिजात॥६९॥डूंहिंबिधि
॥१०४॥ बनिढनिचलीशूलीरंगरलीमलीछबिभी
र॥पुंजनिपुंजनिगुंजतशूलिजितमंजुल
कुंजसमीर॥७०॥नईझनकजनकपुनि॥
ढनकढनकउपबनमैंबनकअपार॥मो

हृदक्षनिशोहृदसौंहृतनिफूलोपटरंतुस
र॥७२॥ नईफूलनिफलनिदलनिपल्लवनि
लतावनिताइकमार॥ बहुफूलनिलहिफू
लौंफूलौंफूलौंफूलौंगहिडार॥७३॥ लतप्र
ताननिमधमनुजलतागहतलतानुमनू।
लि॥ कुसुमदलनिनुमञ्जधरदलनिकी।

होतदलमलनिफूल ॥७३॥ अधररसचषी
सोमसषीलषीबोलीढोलीभाषि ॥ करैतम
॥१०५॥ सेमफररसगांसेबासेफूलनिचाषि ॥७४॥
सोमसलोवीनईअगोनीबोनीकेसमतूल
॥ लोनीअंसचढोनीकैवीनोनीकेफरफू
ल ॥७५॥ तबरहींपीडुरीकरतमीडुरीके

हीन हीडुरीमूल ॥ बीनतिएकचढीहीचढी
पनिचढीडुहुनिकरफूल ॥ ७६ ॥ गुलतुर
राकीडांडीबैनांपैमांडीछाडीझुलाय ॥ मग
जगौनीकीगजगौनीश्रुलिजगौलीनींबा
लाय ॥ ७७ ॥ एकनिफूलनिसौंरीचौंरीरचि
गोरीपरद्वोरीश्रौन ॥ सोंधेडोरीडोरीगोरी

नोरीनिमैंभईभहरांन ॥७८॥ पटुकाफूल
सुपटुकाहूंलटकायेअंसडुहूंओर ॥ बछी
१०६ कीभांतिनलटकेमटकेमटकेकटिछोर।
७९॥ भरिभरिफालनिमालनिगुहिगुहि।
मालिनिल्याईनछोर ॥ लैलैजनेवडारी
बालनिषालनिहालनिजोर ॥८०॥ चली

फूलसैलटतिमटकतिघटकतिसोझीरंग
॥तबनवलालसौघबलालसौनवलासौ
फेरीसंग॥८२॥गोरीगोरीगावहिंचोरीदुग
वहिंघावहिंसाथ॥सिंगारहारकीगेंदषि।
लारउछारहिंमारहिंहाथ॥८२॥कोईल
सीनरगसकेकूजनिलैकोईलसीकूजि॥

मंग॥ धरे मंमित मुवतं मरमिक मुवतं मुं
सधरि मुंग॥८३॥ इहिं बिधि मुलबेली बे
॥२७॥ लीसीषे लीमुं लि मुलिरंग॥ मुंई महलमां
ऊसोऊकीं चहल पहलियें संग॥८४॥ ए
कनिपन्नाकी नीतनिपैगुलाबरस भिन्ना
छन्नाफेरि॥ मगमदगारेसौंलेसुधारे चंद

तारेहेरि॥८५॥जेकरतउन्यारेहरतअँधारे
सबमिरधारेजोन॥तेनियनियसनमुषला
गेकारेबिछतारेधारेमोन॥८६॥पीतफूल
सनकेचीनतिरंगचीननिमीतसहेलि॥तरे
कोईलैकोइलफूलधरैंनरैंकोईलषिच।
षिझेलि॥८७॥चीननीकेलालबनीके

फीकेलागतफूल॥तबहौंपतिनीकैंश्रेगुरी
गोरीकेश्रधरनमूल॥८८॥हसिहसिपरत
श्रधरपरसतदरसतसितकुसमनिश्रोहि
॥तबकहैंहोतहैबरजनिचीतनिगरजनि।
बरजनिश्रलिबलिजोहि॥८९॥तबकर।
उचायबरचायधायचौकीचढिचीतनिश्री

य ॥ अलिउरचौकीचकसतगौंकीचौकीदे।
तबैठाय ॥ ९० ॥ रंजितचलितललितकरप
ल्लवनिहरितपल्लवनिलाय ॥ बचेबीचमैं।
मचेरचेगचेसुवरनपत्रमंगाय ॥ ९१ ॥ यौंची
तेपचरंगेअंगनमैंजगमगेरगमगेलगेबि
छबिब ॥ मनुभूषनभूषितनिरदूषनबहु

मुषभूषनप्रितिबिंब ॥९२॥ फेरिफेरिकरै
यनिचीतेतरैयनिलेंहिबलैयनिआलि ॥छ
॥१००॥ लाछन्नछनिजीतिश्रमीतनुजीतेनुजीतन
हलि ॥९३॥ दूजीश्रलिमिलिचीतनिपूजी
पूजीसबकीश्रास ॥ गीतनिगावहिंमीतम
ल्हावहिंप्रीतिबढावहिंहास ॥९४॥ स्याम

मषीकरकरषीमषीमंगलीश्राय॥ सेवीकौं
सुमदेवीदेवीकीमूरतिषरिमधवनाय ॥
ए५॥सोडसविधिसौंनवनिधिरिधिसौंसि
धिसौंपानिपुजाय॥ भोगधरेवाकौंमेवासे
वाफलकहिमुमिकाय॥ए६॥करतश्रार
तीनियेंथारतीजेजेनारतीसग॥ दीपदी

व०२० पकीदीपतिरीझीदीपनमिसवारतहैंभ्रंग
॥९७॥सवनसीसनवायोगोरीपैकहायोम
१०११ त्रसुहायोएह॥नमोदेविजयदेहिदेहिमम
स्यांममनेहत्रुछेह॥९८॥तवस्यांमसषी
मनउमह्योप्रेमगह्योप्यांनरह्योनहिंदेह
॥कह्योदेविजयदेहिदेहिममगोरीनेह

अछेह ॥ ९९ ॥ तबचौंकपरीचितईहित
बचनचनमैंरचनपनिजोर ॥ बिहसपरी
रसनरींषरींसिगरींलषिजुगलकिसोर ॥
१०० ॥ कोईदीपहिल्याईंढिगथिरआईंहु
लसाईंसुकुंवार ॥ बदननिहारैंअरजउघा
रैंहारैंवारैंरिझवार ॥ १०१ ॥ तबसखिका

हूचलिकाहूमिसपलकाहूलियेबैठाय॥पा
गजरकसीकसीलसीसिरकलकलगीहि॥
जुलाय॥२०२॥नीमौछबिसीदाढीवाँधरि॥
ग्रीवाँधासोपीय॥सुवरनबूटीपरचषटू॥
टीलूटीछूटीनहिंतीय॥२०३॥सोहैंसिरजू॥
रेकरचूरेमोतीचूरेमोतीकपान॥बाटहि

मोदनिमौंचहूंकोदनिगोदनिनरिमेवान ॥
२७॥धरेरतनथारमैंश्रानश्रानपकवान॥
श्रानश्रलिश्रान॥मोहैश्रानश्रानश्रानहीसौं
लगेहिलगेहीषवावनिषान॥२५॥नहाल
नश्रलीनश्रलीनजुलीनकैबीनमैंमीनकेत
कीबात॥पानषातलपरातगानउरजात

परमसरसात ॥ २६॥ आसव शोकनिश्वास
नशोकनिहमिश्रवँकनिमोर ॥ कोककलोन

केशोकदुहूनकेकोकहिमकैबिनोद ॥२७
॥ लषिसांवलगौरआमंदचंदरनि हंहसुले
दबिहार ॥ बढेरसासरपरनपढेमनक
ढेचढेनकरार ॥ २८॥ जिनकेइहिंरसमन

गसिजुगलमहलबसिनिकसिनबनहूलषा।
हिं॥ बल्लनरसिकतेमहलमाँझीसाँझीमाँझी
छकिझोंहिं॥१०९॥इतिमाँझीसंपूर्ण॥अथ
रसहण॥रागबिलावल॥आजुपियारीनूकुंज।
बिहारीसंगनवछबिधारीसुकहतबनैंनौ॥क
सीजरकसीपागदुहुनिमंगलश्रृंगिकृतयव

व०र० अंकुर उरसनि लसीर सीलेपलक परैं नां॥ पिय
मन तियतन धरी जुलेछ बि झूलै सिर चढी का
॥१३॥ हू गनैं नां॥ बल्ल नर मिक सुधार तजौ कौं ति।
लक झलक उर सौं उर ग सि तिय नोंह कसीस
नरिर निहसी नैं नां॥ २॥ अथ दिवारी॥ राग।
हमीर॥ वैदेहो ऊसन मुषरुष सुषमा लषिस

षितकियालले॥ जगमगजगमगकुंजमहलहिं
सदीपावलझलमलझलमलभूषनबसननव
लालश्रमलचषलषतषगे॥२॥ तीनग्रामसा
धहिंसुरबोधहिंगावहिंमधुरमृदंगबजावहिं
रंगबढावहिंसंगपगे॥ सुहृदश्रलीरंगरली।
दीपद्रुमजोतिदिषावहिंपानषवावहिंहसहिं

हसावहिंरीझरिझावहिउरउमगे॥२॥सुवर
नबुनीसुननीमधिचौपरिचटकीलीसारीरत
नारीनासेपासेकररंगनिरंगे॥डारैंदावभ
लेहूलालचलबिचलचालचलिपैठैंबालघर
तियहुलसहिंसुनिहारिबिहारिनिरूपढगे॥
३॥प्यारीकीसारीसौंनूलिजुगबाँधिफूलिक

हैसोहतजोहतरचिमचियौंपियहियहिलगे
॥ बाजीचुंबितराजीसोंलायहारेपियारेपैले
तहूंदावलजातिमुसकिजातबल्लनरसिका
कृतसुकृतजगे॥ध॥२॥रागएमन॥मैंवारीदी
पञ्जारीचित्रसारीलषिमैंनचैंनमिलिरैंना
रिवारी॥धृतपरजंकञ्जेकमधिधननकी

दुहूंमिलिषेलनिचतुरषिलारी॥धरैमू
मधिधनतनकोपियासायदावसरबसि
यप्यारी॥बल्लभरसिकनुवाजिनवनिहसि
देतसुकौतिकनारी॥२॥अथबसंत॥नयौ
नरुजोबनकौबनसोनानिहारे॥लतालह
लहनिनेतिनेतिनगनतअलिलपटरर।

सावतपियमुसिकतिभोरीत्योरीहारि ॥ के।
सरभीनीजीनीश्रोढनीकौश्रंचलचंचलश्र
लबेलीसकतनसंभारि ॥ सोंधेसनीबनीचो
लीतैंछनीछटालषिरीझिबालपरलालर
हौश्रपुनपौहारि ॥ कनकलतासौंलपटि
तरुनिलालनिलसचायेभरतनिसकर।

व०१० कञ्जेकवारि॥ मदनरागहिंडोलझुलावत।
बल्लनरसिकसहचरीगावतिप्रेमबिबसजौ
॥११६॥ निलेतसुरतरंगसवारि॥२॥रागबसंत॥रि
तुबसंतमेंलसंतमूरतिदोऊबैठेनिकसिनि
कुंजबाग॥ललितगुंजमंजुलतानिपर।
ग्रलिपुंजनिकीसुनिसुनिगुनिगुनिपुनिपु

निरसकौंचटतपाग॥२॥बौरैंग्रौवनिचढि।
चढिबोरेजुगजुगद्वैकुहकतकोकिलकुल
रीझतसुनिकलरवबिनाग॥प्रफुलितगु।
लालालीकीक्यारीपवनलगतमहकतल
हकारीपियप्यारीचषलगनिलाग॥२॥रैं।
गरैंगरतनसतनकेकूजेजननिगुलनर

व०१० लिश्रौनंदयाग॥ दसनश्रुतनईबसनश्रुत।
नईदसनबसनश्रुतनईनईलषिपोहिलई
॥१८॥ पियप्रेमधाग॥६॥श्रलिसंकुलितलताहलि
हलिनेतिनेतिकहतसीरहतसीथकिथ।
किसिषवतिहिषवतिश्रनंगराग॥ श्रीनंद
चिकदेदेश्रलबेलीकेश्रधरकुसुमकौश्र।

नुपमलेणटमधपमीतमुसकनिपरागा॥७॥
सोधेसनीबनीचोलीतैछनिछनिछबिकीछ
टाछबीलीछुवनछैलछलकोनुरागा॥छ॥
लकिछलकिछलिछलिरतिपतिकीछक।
निछकेलषिछिपिछिपिछिपिछनुबल्लन
रसिकसषिचषसनागा॥८॥२॥अथहोरी॥

केडोला ॥ राग सारंग ॥ फूलत दोऊ रंग नीके
अति ललित ललिता डोलर चौहै ॥ थोनन
॥१०॥ मसि श्रावनि के मोर निबीच बीच फूलनि के
झौंर निडोरि निफूलौं बेलल पेंरी नहाँम फ
र तर नौंर निसौंर चौहै ॥ डोरी छोडि छोडि
अति लपट तर पट डोरी छोर तल पट तर

सनहीं बच्यौ है ॥ बल्लभ नरसिकलाल गोरी कौं
होरी डोल झुलावहिं सहचर फूल डोल झूल
तहँ आपु न अद्भुत रंग मच्यौ है ॥१॥ राग हमी
र ॥ झूलत दंपति अति रति रंग भीनें मंजुल
डोल बन्यौं है ॥ फूलनि के झौंरा झूलत अलि
तान बितान तन्यौ है ॥ आवहिं लपट अरग

जान्त्रेबरचोवान्त्रतरसन्मोहै॥ बल्लनरसि॥
कसहचरिजुलवतिपियधनधनजन्मगन्मौं
है॥२॥ अथफूलडोल॥गगहमीर॥ फूल॥
डोलफूलनहैंपियप्यारी॥ चहूंदिसिफैली
है फूलफूलगुलाबरचितबंगलामधिफू
लफूलबैठेरूपअनूपबज्यारी॥१॥ फूल

तहांरहमेलकेलिरसझूलतलटसटकारी॥ झूलतदामनझमकिझूमसौझूलतझूमकसारी॥२॥ फूलनिझूलनिझूलिझुलावहिंगावहिंझूमकनारी॥ फूलिझूलिनागरिगुनआगरिझुलवतिनांननिन्यारी॥३॥ झूलीफूलीनवनवरंगनिसुकुंवारीफुल

वारी॥ झूमिझूमिकरफलगहिफूलनिचष
तमधुपबिहारी॥ध॥ फूल्योवनफूलीबन
बेलीफूलझूलबिस्तारी॥ फूलीबल्लरसि
कसषीचौरीहारतफूलसंवारी॥५॥२॥३॥
थचंदनयात्रा॥रागहोडी॥ चंदनचोलीलग
हैहुनितनरंगीहैंपरसररीझिरीझिक

रि ॥ फबौहैरंगीलौफैंटासिरपररंगीहैरं
गीलीबौमञ्जरगजालगैंनञ्जिरौमबौमा
नागनिढरि ॥ २ ॥ बैठेनवनवसीरसीमसौं
चेगुलाबसोईनीरपरतञ्जरपरबिंदुनिझरे
॥ झलकनञ्जरञ्जुतियहियकेञ्जैनमैंननैं
नापलकनिबिनुपियछबिलेतनिकरि।

लाजनिहरि ॥२॥ सरकतिदीवनिलावनि।
मिलवतनियउरकरधरिलेतबूझनिमुसि
॥२२॥ कतिसुनिनागरि ॥ औनेरकेरबदनचंदन
परचंदनबिंदुचढायआयबरलेतहैंसुध
रसुमरतरसभरिनरि ॥३॥ सीतलगति।
सीतलसमीरलगिलगतिमीतउरजगति

रुमावलिनऋदुरावतिवजनसषीसुघरि
॥ बल्लनरसिकसषीसारंगगावतरंपति।
मनमथरसनिझिगावतिमालगुलाबदल
निकीपावतिहियपहरावतिश्रीपरीऊब।
चनउचरि॥७॥२॥श्रथरथयात्रा॥रागहे
वगंधार॥ललितारथएकललितबना

यो ॥ वनैं निकुंज बाग कौं बागैं आगैं आ
नरषायो ॥२॥ देषि मनोरथ बन्यौं अली।
कौनांति नली निसच्यौ है ॥ उघस्यौ सुव
रन चित्र तचित्र ठस्यौ बहु सुथर पच्यौ है
॥२॥ कोमल सुरंग डुरंग तकिया फलक
तफ्ता सुवरन के ॥ सुथरी सुथरी क

परसुथरे तकिया नरेपरनके ॥३॥ फिर
चहुंदिसि बैदकके फर नरि झुलिझालर
मुकतनकी ॥ हरितषोलफरिपरश्रमो
लबिनुझोलतोलसुतनकी ॥ध॥ राषीक
रसुनिकरगहिबागनिकलही ॥ चारुदा
रुमयहयकेतनुचेतनुकैकैतबचलही

जुगलनव
वाग २

॥५॥ सुनेत्र्र कथ रथ गुन मन पैरे च ढि बैठे त्र्र
करषे ॥ बागगहीजबहीतबहीचलिनि।
कसे घोरे हरषे ॥ ६ ॥ दुहूंत्र्रोर चढि चलैं त्र्र
लैं ह्वै करैं मोर छल ढाढी ॥ लगि लगि बैरे
तकिया सौं जगमग जगमग दुति बाढी ॥७
॥ घोरनु के सिर पर कलगी बलगी चौरा

सीबाजैं॥ दावनलगेजैंनकेफूलफुलावन।
फोंदाराजैं॥८॥ जतननिरतननिरतनज।
टेपटेडुमचिनमैंरुचिउमचीहै॥सुवरन
सूतनिनषमषनूलीफूलीबागरचीहै॥९॥
बाजिनुकीडोरीछोरीपियगहीसुमूंड
उढायौ॥धरतधरनिपरपाइनहीठौर

बनकौगरबगंवायो ॥२९॥ लालनकेबक।
सेबसननकौंरसननिकौंकसिखावैं ॥क
रैंबोमइतमोमछरागहिकोटिककोमगि
रावैं ॥२९॥ कुंजबागकेसीतलमधुरफल
निखलिखागैंराषैं ॥तबलगिकनकला।
ताफूलनिमधुमूलिमधुपपियचाषैं।

॥२२॥ पासेंजुलिबेली जेलीसषिवागतमा
सेषेलैं ॥ प्रफुलितजुगलरसायनधनला॰
हिगहिधनपाइनपेलैं ॥ ३॥ रथपरजेक॰
श्रेकसुरतनकीडुहेंमिलिषेलनिलीनौं॥
बल्लनरसिकजुवाहिजानिधनजितवनां॰ चितवनि
दीनौं॥ २ध॥ २॥ रागदेवगंधार॥ बनपथ

संपतदेषतबैरेरथपरदंपतभावत ॥ क
रिसिंगारसिंगारभवनतैंउपबनबैठकश्रा
॥१२६॥ वत ॥१॥ रंजितरथकेमुवरनचित्रबिचित्र
तियाहिहिषावत ॥ रंगसुरंगतुरंगनुकी
बागैंगहिउमहिचलावत ॥२॥ चौरासीबा
जनिकलगीराजनिलषिनैंनदुरावत ॥ सबै

बिमोनकियेउपमोनहिकैसैहंपावत॥३॥को
मलसुरंगडुरंगतकियालगिजगिअंगइन
रावत॥बज्जनरसिकरीफिउरजनमैंमोनें
ननिउरजावत॥४॥२॥रागदेवगंधार॥अलि
नुमनोरथपथमैंरथचढिआवनआजुना
ई॥लालनसौंलडलायआयप्यारीहयबा

बागलई ॥ वल्लभ नर सिकछरी फेरनि हंसि
हेरनि मत मुलई ॥३॥ इति पदवर्णोत्सवम
॥२३॥ मम ॥ अथ कवित्त निर्ण्यते ॥ पानन सौं ध्यान
नरचे है नैंन कानन सौं रूप रस पानन सौं।
नेक न अघानतहैं ॥ पानन सौं ध्यान एक मे।
क कैनि ध्यान रहे मनकी सिद्धानपंच सर सर

सानहैं ॥ वल्लभ रसिक री झिझौंनन मिला
ननमैं तौंननमैं हाननके बैन रस सानहैं ॥
रकुरी कमौंनन कटाछनके बाननचढ
जुनेह सौंननि सौंनबेध जानहैं ॥२॥ च।
लीउढि पलकातैं अलिकाहू नौंनि नली।
लटकि लटकि पिय पर अलेसौंनकी ॥

व०र० लायलायवदनमदनउपनायलेतज्यालेत
नियहिमुरनमुरवानकी ॥ जोरिजोरि नुज
॥२८॥ मोरितनउगरानिउकसतकुचकलसान
दरसानकी ॥ बल्लनरसिककौविकानही
कीवानपरीजानपरीवानलोहिमदुमुसि
कानकी ॥२॥ चटकिपरीहैपगमटकि।

धरनलषिपाइलकीठनकसुठौंनअनवट
की॥ झीनपटषीनकटिमदनकटकलषि।
सटकिचलीसुकुचगलीछैनिकटकी॥व
लनरसिकलषिबदनचटकमैंउलटिबट
पारयुगधारमरवटकी॥हटकीनिपटनक
नटकीनिलनमतिलटकीलपेटमैंलपटश्रा

व०१० यलटकी ॥३॥ मुकुटकीलटकमैंनैननिकी
मटकिमैंपीतपटचटकमैंसटकिदरतुहै
१२९ ॥ कुंडलकीडोलनमैंश्रमलकपोलनमैंमं
जुमिठबोलनकलोलनकरतुहै॥ मुरली
कीबाजनमैंसुरनकीमौजनमैंसुषकसमा
जनमैंलाजनिदरतुहै ॥ बल्लनरसिकल

षि त्रुटकि उतर कटि त्रुटकौ जुमनघट
टकौ पर तुहै ॥ ७ ॥ नैननिमैं बैनसैनरैन।
सबनैननिमैं नैननिमैं हिलनमिलनसर
सानकी ॥ भौहनिमैं हसनिलसनिपुनि भौं
हनिमैं मैननकी बसनसौं बसनि चितग्रान।
की ॥ जोबनकेजोरनिमैं मौरकीमरोरनि।

मैं कहूं नकरोरनि मैं गनि स्रुलसौंनकी ॥ ब॰

ल्ल नरसिक कौं बिकौं न हौं की बौंनपरी प्यारी
तेरे स्रंगनि कौं बौंन इतरौंनकी ॥५॥ पाइल
पायलगायलयेललचेपियलौंइनस्रायद
रेई ॥ लचिलावनलायचढायलयेरसना
रसपायकेभायभरेई ॥ बल्ल नरसिक ब॰

सनयेत्रिवलीकसिकंचुकिरावधरेई॥छि
पेछबिलेतलषेनुलफौंकुलफौंविचबंदक
रेसुकरेई॥६॥उरनउतंगत्रुनिभरतभरे
सेत्रगत्रुधरसुरंगसौरंगीसीमतिजानहै॥
ऊंचीगुहीबैंनीसौंतनैनीभौंहैंभायभरी॥
त्रायभरीछबिहसिलसिइनगतहै॥व

ल्ल नरसिक दोऊ समनमुष रुषसुष चकित थ
कित कित दोऊ सकितरात है ॥ नैंननि सिंह
नल्ल चानमुसि कानतर सानसर सानश्रो
नश्रानरर सात है ॥ ७ ॥ नैंननिमैंनैंनकहू।
नैंननिहीं बेधलेतसैंननिसमेतकै करैंनसु
धियारी की ॥ केसर की श्राडजिय श्राह।

आडतोरनहैबेसरमकरनेकीबेसरनया
रीकी॥ अटकायअटकायअधरहीलटा
कायरीषतहैमनमहँबोनलटकारीकी॥
बल्लभरसिकमुसकनिबाँधिलेतनकुजी
वनजियारीहैपियारीहीबिहारीकी॥८॥
भूषनकौंभूषनथरतजबभूषनकुभू

षनहरतसौमछत्तनसमेतहैं॥ पायजेवड़
नहींतैंपायजेबरहीपायजेबरहीतेबक
॥३२॥ हीछोड़तनिकेतहैं॥ महाउरहूकौंयेई म
हाउररंगकरैंबल्लनरसिकरंगमिसकर
लेतहैं॥ कोईसिरपायपहरौपैनियतेरपा
यसबसिरपाइनकैसिरपायदेतहैं॥१॥

कंदुकसे शृंग निशृंगाउर रंगकरैरंगकरै॥
शृंगनमैंकंदुकके पालकौं ॥ लटकतबदन॥
पैलटकनउदावतलटकतछोरनउदावत
हैसालकौं ॥ बलनरसिकलालजुवातनहे॥
रैफिरहेरहालहेरनिकेहालसौंनिहालकौं
॥ बसुधाकीबसुधासुधासुधामैंरूपबाल

ब०२० कोमुबसुधांमत्रसुधांमगह्यौलालकौ॥२०॥
राजतिगयंदचालबाजतकिंकिनिजालश्रा॥
१३३॥ जतहैबिंदुलालइंदुसमभालकौ॥ लोचन
बिसालकरैंकाननसौंष्यालललालश्रधरर
सालमनौपल्लवरसालकौ॥ श्रुनारलाल
दमनसिवारबारसारकहाराजतजंगाल

रंगकंचुकके नालको ॥ मेरेनैननिहारूंच
नायोहालबल्लनरसिकलालपुनजालही
सौंरूपबालको ॥१२॥ आवतहैबालनिकेस
गगनचालकछुगावतहैप्यालसुमधुरता
नतालको ॥ कटिलचकिनिहालकुटिल
कचनिहालदेषतसंभालभयोदौरनौरि

बालको ॥ जोनैजुबिहालनयेवल्लभरसिक
लालकेंपहालबालहूंनायोनिजहालको
॥३४॥ ॥सारबाटहीमैंसालबीचस्यामसालई।
ओढचलीबालमनओढचलीलालको ॥
२२॥ आईसुघराईहीसोंगाईसुघराईहीसें।
नैननसुघराईहीसोंहरीसुघराईसों ॥ म२

नकीछकाईछकाईचषफेरिजुछकाईभिय
मतीसुनिफिरउछकाईहै॥ बल्लनरसिक।
कीबनाईविधिलैबनाईकिंहिंविधिलैब
नाईयामैंजुबनाईहै॥ निकाईनिकाईकेत।
तियनकीनिकाईनमाऊतैंनिकाईयहप।
रीकीनिकाईहै॥ ९३॥ नैंकदेषपायइनए

यइनराय पुनिनैंकदेषपाइनधरनरीजिय
तुहै॥ सबबसुधाकैसुरलोकनहींकेस
बबसुधाकेजन स्सबैंनपीजियतुहै॥ स
दानवरूपतेरैंसदानवरंगदानदानवस
रूपसैंबिरहमीजियतुहै॥ बल्लनरसिक
सुषमानयौंनिमिषमैंमनिषसुषसोमित्र

नमिषु कीजियतुहै ॥ ९ ॥ फूली देखसनमि
तुआहीसरसरसपायेंहो उमगीआतिनैंन
निजियारीसी ॥ दादीनलीबिधिचहूंओ
रदलसाजैंनवजोबनपवनकैंपरसलहा
कारीसी ॥ हियैंबसोसोमचोलीतिलक
चिलकमिसउजकोसुसामयातैंउरनि

ब०२० ख्यारीसी ॥ बल्लभरसिकनरीलाललैगुला
लनईलालरंगबालागुललालाकीक्यारी
॥१३६॥ सी॥५॥ होरीषेलत्रावतहैंछैलभरसाव
तहैंत्रागरभावनबढावतहैंहालकौं॥नैं
ननिनचावतहैंधूमहिंमचावतहैंगुंफनि
ब सावतउडावतगुलालकौं॥कुंकुमहिं

स्रावतहैंचलिचलिधावतहैंमुषलपटाव
तझुलावतहैंमालकौं ॥ बल्लनरसिकरं।
गमेहबरसावतहैंसावतहैंगावतरिझाव
तहैंलालकौं ॥ १६ ॥ लालरंगपाइनहूंलाल
रंगपायपायलालरंगरंगेहाथलगेदरेसा
तहैं ॥ लालरंगसाथनहूंलालरंगरंगरंग

लालहाथकियेपरसनसरसातहैं॥ लाल
रंगदसनदरसनसौं लालकरे लालरं।
॥३७॥ गरंगकरैंहसनकीबातहैं॥ बलनरसि।
करोऊतनमनलालरंगबसनगुलाल
लाललालभयेजातहैं॥ २७॥ झूलतकदं
बझूलेरसिकदंबमणिश्रबरतरुनिफू

लफूलकैंग हतुहैं ॥ फूलैंलालअंबरअनर
अरुअंबरसौंलपटैंलपटसंबरारिअलह
तुहैं ॥ फूलतअंडंबरसौंअंबरमलारलो
नफूलतमयूरनाचिनाचिअमहतुहैं ॥ ब
ल्लनरसिकनेहमेहमनबनमौंजनिसुदि
नभोरसौंजघुमडेरहतुहैं ॥ २८ ॥ बैदेही

व०१० मोहैंसुत्रमेरैंसुदमोंहैंसुगरैंहैरिसरसगा।
ह्वौबैरतहीमौंनकौ॥ युवाजौंनिजुवारचौ
॥१३८॥ पंद्रहमैंदुवाचलिगोरीसारहीसौंबाधिसौं
मजुगदौंनकौ॥ हसीगहलेतैंकूदिमौंनके
किलेतैंकरसंगसुषलेतैंजुषिलेतैंमिलि
जौंनकौ॥ मैंनमतुलैकैपैनमतुलैकैपाय

पियनेत्रतुलेकेसतुलेदेतुमानको॥ २॥ के
तनथिरमानधरेमनथिरमानतानथिरमा
नजोराकलगीसौंथिरमानको॥ कुरतीइ॥
जारैंलेतकुलतीकेत्रधिकुरतीसौंलषौंन कुलतीनो
रसुषमानको॥ पलमोहिरषौंपलमोहि॥
रषौंदेषतनपलमानरहेरहेत्रोटपलमो॥

नको।। बल्लनरसिकबलमौंसौंबलमौंन
करौंबलमौंहिंलपैंभजैबलमौंनमौंनको
।।२०।। पागनिकेपेचनिमैंनागसिरपेचन
मैंलागकटिपेचनिमैंबेलबूटालह्वौहै।।
इतहीइजारइतहीरूकुरतौकीबेलबू
टाबासबल्लनरसिकत्रिलिचह्वौहै।।वे

लबूतान्त्रनरोटाथिरमोपेकुरतीकेरेगरस
सेचनतरुनफलगह्योहै॥ आगैंआनदेषि
रोऊबागैंआनिबैठेसषिबागैंबनिबैठेकि
धौंबागैंबनिरह्योहै॥२१॥इतिकवित्तब
त्तनरसिकसंपूर्णं॥ शुभमस्तु॥ श्री॥

अथ मोज बल्लभ नरसिंक की ॥६१॥ पद बर
षउत्सव के ॥२७॥ हिंडोरे तौ ॥७॥ पद पवि
त्रे

का ॥१॥ राषी का पद ॥१॥ जन्मउत्सव के पद
२॥ सांझी १ दसहरा १ दिवारी के २ ब
संत के २ होरी ३ होरी के डोल २ फू
लडोल ॥१॥ चंदनयात्रा १ रथजात्रा ३

२७॥ पद्मनित्यको॥१॥ कबित्त॥२॥ श्री॥

वाणीवल्लभरसिककी पत्र २४० श्लो ९००